यूपी : वोटर लिस्ट से कटेंगे 2.89 करोड़ नाम, ड्राफ्ट लिस्ट अब 6 जनवरी को होगी जारी,

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

मीरा स्याल समेत प्रमुख ब्रिटिश-भारतीय चार्ल्स तृतीय की सूची में शामिल

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-62 > अंक - 07 रायपुर बुधवार 31 दिसंबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

बांग्लादेश में टारगेट किलिंग का खौफनाक सिलसिला जारी, एक और हिंदू की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला मयमनसिंह क्षेत्र से सामने आया है, जहां 42 वर्षीय हिंदू नागरिक बजेंद्र बिस्वास की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने बेहद नजदीक से फायरिंग की, जिससे बजेंद्र बिस्वास की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

हिंदुओं पर बढ़ते हमलों का पैटर्न - यह कोई अकेली घटना नहीं है। बीते महीनों में बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में हिंदू नागरिकों की हत्याएं, मंदिरों में तोड़फोड़, घरों और दुकानों को आग के हवाले करने जैसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। विशेषज्ञ इसे लक्षित हिंसा करार दे रहे हैं। भारत ने बार-बार बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

14 वर्षों से भय और भ्रष्टाचार, बंगाल की पहचान बना हुआ है : अमित शाह

बंगाल से घुसपैठ समाप्त करेंगे, चुन-चुनकर बाहर निकालेंगे

नईदिल्ली,एजेंसी

पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि 15 साल में बंगाल भय, भ्रष्टाचार और घुसपैठ का शिकार हुआ है. शाह ने दावा किया कि 2026 में बीजेपी की सरकार बनने पर घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर किया जाएगा, विकास को तेज किया जाएगा और बंगाल की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित किया जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बंगाल की सीमा से हो रही घुसपैठ सिर्फ राज्य का नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा से जुड़ा मामला है. उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की संस्कृति और सुरक्षा को बचाने के लिए बंगाल की सीमाओं को सील करने वाली सरकार जरूरी है. शाह ने दावा किया कि यह काम टीएमसी नहीं, बल्कि केवल भाजपा ही कर सकती है।

गृह मंत्री ने कहा, ÷14 वर्षों से भय और भ्रष्टाचार, बंगाल की पहचान बना हुआ है. 15 अप्रैल, 2026 के बाद जब बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी, तब बंग गौरव, बंग संस्कृति और उसके पुनर्जागरण की हम शुरुआत करेंगे. विवेकानंद जी, बंकिम बाबू, गुरुदेव टैगोर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का बंगाल बनाने का प्रयास करेंगे.÷ अमित शाह ने कहा, ÷आज 30 दिसंबर का दिन हम सभी भारतीयों के लिए गौरव का दिन है. आज ही के दिन 1943 में बंगाल की भूमि के सुपुत्र, देश के महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में पहली बार आजाद भारत का झंडा फहराया था. एक प्रकार से यह हमारी आजादी के संग्राम का एक महत्वपूर्ण मुकाम था. दशकों बाद जब हम आज को देखते हैं, तो बंगाल के लिए 30 दिसंबर से लेकर अप्रैल तक का समय महत्वपूर्ण है.÷ अमित शाह ने कहा, ÷अप्रैल में बंगाल में विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं. भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और घुसपैठ की जगह विकास, विरासत और गरीब कल्याण की एक मजबूत सरकार बनाने का बंगाल की जनता का संकल्प दिखाई पड़ता है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, टीएमसी के 15 साल के शासन में भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और विशेषकर घुसपैठ से बंगाल की जनता भयभीत भी है, आशंकित भी है. हम बंगाल की जनता को आश्वासन भी देना चाहते हैं और वादा भी करते हैं कि मोदी जी के नेतृत्व में बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के साथ ही यहां की विरासत को पुनर्जीवित करेंगे, विकास की गंगा फिर से तेज गति से बहेगी और गरीब कल्याण को प्राथमिकता देंगे.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीति आयोग में प्रख्यात अर्थशास्त्रियों से भेंट की

संवाद का विषय - आत्मनिर्भरता और संरचनात्मक परिवर्तन : विकसित भारत का एजेंडा

वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना जन आकांक्षा बन गया है : प्रधानमंत्री

पीआईबी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज सवेरे नीति आयोग में प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के एक समूह के साथ बातचीत की। इस बातचीत का विषय 'आत्मनिर्भरता और संरचनात्मक परिवर्तनः विकसित भारत का एजेंडा' था। प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा के मूल स्तंभों का उल्लेख किया। श्री मोदी ने विकसित भारत को एक राष्ट्रीय आकांक्षा बताते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक एक विकसित भारत का सपना सरकारी नीति से परे जाकर एक वास्तविक जन आकांक्षा बन गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव शिक्षा, उपभोग और वैश्विक गतिशीलता के बदलते स्वरूपों में स्पष्ट है, जिसके लिए तेजी से महत्वाकांक्षी होते समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संस्थागत क्षमता में वृद्धि और सक्रिय अवसंरचना नियोजन की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक क्षमता निर्माण और वैश्विक एकीकरण प्राप्त करने के लिए मिशन-आधारित सुधारों की आवश्यकता पर भी बल दिया। श्री मोदी ने दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मिशन-आधारित सुधारों का आह्वान किया।

लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट एलआरजीआर 120 का पहला सफल परीक्षण

एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की मुश्किलें बढ़ाते हुए ओसा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट एलआरजीआर 120 का पहला सफ ल परीक्षण कर लिया है। भारतीय सेना और डीआरडीओ के द्वारा किए गए सफल परीक्षण के बाद पिनाका र रॉकेट और भी ज्यादा घातक हो गया है। आपको बता दें कि चीन और पाकिस्तान लगातार भारत की सुरक्षा के लिए दिक्कतें खड़ी करते रहते हैं। लेकिन पिनाका रॉकेट के इस नए वर्जन से दुश्मन चकनाचूर होने वाले हैं। भगवान शिव के धनुष

पिनाक के नाम पर भारत के देसी पिनाका का नाम रखा गया। एक ऐसा मिसाइल सिस्टम जो पलक झपकते दुश्मन को खाक कर देगा। 44 सेकेंड में 12 रॉकेट दागेगा जिसके बाद सिर्फ धुंआ ही धुंआ नजर आएगा।

डीआरडीओ के द्वारा किए गए सफल परीक्षण के बाद पीनाकार रॉकेट और भी ज्यादा घातक हो गया है।

राष्ट्रपति ने 'जशक्राफ्ट' एवं जशपुर की जनजातीय मातृशक्ति के कौशल की सराहना की

रायपुर संवाददाता। ,भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने गुमला (झारखंड) में आयोजित अंतर्राज्यीय जन-सांस्कृतिक समागम 'कार्तिक जतरा' कार्यक्रम में जशपुर जिले की स्व-सहायता समूहों से जुड़ी जनजातीय महिलाओं के कार्यों, कौशल और आत्मनिर्भरता की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से 'जशक्राफ्ट' से जुड़ी बहनों के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके द्वारा तैयार किए जा रहे आभूषण एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद महिला सशक्तिकरण के सशक्त उदाहरण हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने जशपुर वनमंडल अंतर्गत वन प्रबंधन समिति शब्दमुंडा, ग्राम कोटानपानी के स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को जनजातीय सृजनशीलता, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक संरक्षण का प्रेरक प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास न केवल आजीविका के साधन बढ़ाते हैं, बल्कि परंपरागत कला और हस्तशिल्प को नई पहचान भी दिलाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि जशपुर की जनजातीय मातृशक्ति, विशेषकर 'जशक्राफ्ट' से जुड़ी बहनों के कौशल और स्वावलंबन की प्रशंसा पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम कोटानपानी की स्व-सहायता समूह की बहनों द्वारा तैयार आभूषण एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महिलाओं की मेहनत व सृजनात्मकता के जीवंत प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति का यह स्नेहपूर्ण आशीर्वाद और प्रोत्साहन जनजातीय मातृशक्ति के आत्मविश्वास, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तथा ÷वोकल फॉर लोकल÷ की भावना को और अधिक सशक्त करेगा। उन्होंने जशपुर की समस्त जनजातीय बहनों की ओर से राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान जनजातीय हस्तशिल्प, पारंपरिक लोककला तथा स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि दल ने जशपुर जिले की विशिष्ट शिल्प परंपरा और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन कर जनजातीय सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया।

1 जनवरी से बढ़ेंगे पायलटों के भत्ते, नए अलाउंस का भी दिया जाएगा लाभ; इंडिगो का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली।एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इस समय उड़ानों में कटौती के दौर से गुजर रही है और हालात को संभालने के लिए अब वह अपने पायलट्स को राहत देने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में कंपनी ने पायलट्स के भत्तों में बढ़ोतरी और कुछ नए भत्ते शुरू करने का फैसला किया है। ये सभी बदलाव 1 जनवरी से लागू होंगे। इंडिगो ने घरेलू लेओवर, डेडहेड और नाइट अलाउंस जैसी श्रेणियों में मिलने वाले भत्तों के नियमों में संशोधन किया है। इसके साथ ही पहली बार टेल स्वैप अलाउंस भी शुरू किया जा रहा है। टेल स्वैप उस स्थिति को कहा जाता है, जब किसी पायलट को तय विमान के बजाय किसी दूसरे विमान की उड़ान संचालित करनी पड़ती है।

रिश्तों में तल्खी के बीच बांग्लादेश जाएंगे जयशंकर

एजेंसी

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर बुधवार को बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। बयान में कहा गया है, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत सरकार और जनता का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे 31 दिसंबर 2025 को ढाका का दौरा करेंगे।

बेगम खालिदा जिया का आज सुबह ढाका के एवरकेयर अस्पताल में इलाज के दौरान 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। फेसबुक पर बीएनपी के एक

बयान के अनुसार, जिया का निधन फज्र की नमाज के तुरंत बाद सुबह लगभग 6 बजे (स्थानीय समय) हुआ। बीएनपी के बयान में कहा गया है, खालिदा जिया का निधन फज्र की नमाज के ठीक बाद सुबह लगभग 6 बजे हुआ। हम उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं और सभी से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध करते हैं। 27 नवंबर को उनकी हालत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल के कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया। जिया के इलाज की देखरेख कर रहे चिकित्सा बोर्ड के सदस्य प्रोफेसर हुसैन ने उनकी हालत को बेहद नाजुक बताया था। जिया कई जटिल और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त थीं, जिनमें यकृत व गुर्दे की समस्याएं, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गठिया और संक्रमण संबंधी समस्याएं शामिल थीं।

विदेश 91 लंबी दूरी के ड्रोन इस्तेमाल किए गए

पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले से बढ़ा तनाव, प्रधानमंत्री मोदी ने जताई चिंता

बीजिंग, एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है. रूस ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने 28 और 29 दिसंबर की रात मॉस्को के पश्चिम में स्थित नोवगोरोड क्षेत्र में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास को निशाना बनाने की कोशिश की. रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अनुसार, इस कथित हमले में 91 लंबी दूरी के ड्रोन इस्तेमाल किए गए, जिन्हें रूसी डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया. रूस का दावा है कि इस घटना में न तो कोई घायल हुआ और न ही किसी तरह का नुकसान हुआ. प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर चिंता जाहिर की है. इस मामले पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति के आवास को निशाना बनाए जाने की खबरों से बेहद चिंतित हैं. उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में शांति की दिशा में चल रहे कूटनीतिक प्रयास ही संघर्ष को खत्म करने का सबसे बेहतर रास्ता हैं. पीएम मोदी ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की कि वे ऐसे किसी भी कदम से बचें, जो इन प्रयासों को कमजोर कर सकता है.

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस कथित ड्रोन हमले को ÷राज्य प्रायोजित आतंकवाद÷ करार दिया और कहा कि ऐसे लापरवाह कदमों का जवाब जरूर दिया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि रूसी सशस्त्र बलों द्वारा जवाबी कार्रवाई के लिए लक्ष्यों का चयन कर लिया गया है. हालांकि, रूस ने अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया है. यूक्रेन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें झूठा और शांति वार्ताओं को पटरी से उतारने की कोशिश बताया है. यूक्रेन का कहना है कि रूस इस तरह के दावे कर अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचना चाहता है।

भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग हुए और मजबूत, नौसेना के लिए एमक्यू-9 ड्रोन लेने को मिली मंजूरी

नई दिल्ली एजेंसी

भारत ने भारतीय नौसेना के लिए दो अतिरिक्त एमक्यू-9 मानवरहित ड्रोन लीज पर लेने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद ने किया। इसे भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग की वजह से अहम कदम माना जा रहा है। एमक्यू-9 ड्रोन अमेरिका की जनरल एटॉमिक्स कंपनी द्वारा बनाए जाते हैं और इन्हें दुनिया के सबसे सक्षम हाई-एल्टीट्यूड, लॉन्ग-एंड्योरेंस ड्रोन सिस्टम्स में गिना जाता है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ये ड्रोन लंबे समय तक उड़ान भरने, दूर तक निगरानी करने और रियल टाइम खुफिया जानकारी देने में बेहद कारगर हैं। भारत ने पहली बार वर्ष 2020 में दो एमक्यू-9 ड्रोन लीज पर लिए थे। बीते पांच वर्षों में इन ड्रोन ने भारतीय नौसेना और सुरक्षा एजेंसियों को समुद्री इलाकों और सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी के लिए बड़ी बढ़त दी है। अब दो और ड्रोन शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र और संवेदनशील समुद्री मार्गों में भारत की मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस ज्यादा मजबूत होने की उम्मीद है।

इस पूरे रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने में अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के जाने-माने एयरोस्पेस वैज्ञानिक विवेक लाल की भूमिका भी अहम मानी जा रही है। जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक लाल पिछले दो दशकों से भारत और अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने में सक्रिय रहे हैं। उनके प्रयासों से भारत को महत्वपूर्ण अमेरिकी रक्षा तकनीक तक पहुंच मिली है और दोनों देशों के बीच भरोसा भी मजबूत हुआ है।

यह फैसला ऐसे समय आया है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी में रक्षा सहयोग को एक प्रमुख स्तंभ बताया है। दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध लगातार गहरे हो रहे हैं और उन्नत तकनीकों तथा आपसी अंतरसंक्रियता पर खास जोर दिया जा रहा है।

लॉकहीड मार्टिन में वरिष्ठ अधिकारी रहते हुए विवेक लाल ने भारतीय नौसेना के लिए 24 एमएच-60आर पनडुब्बी रोधी हेलीकॉप्टरों के सौदे को अंतिम रूप देने में भी अहम भूमिका निभाई थी। यह सौदा राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भारत यात्रा में एक प्रमुख रक्षा समझौते के रूप में सामने आया था।

विवेक लाल की भूमिका कई अन्य बड़े रक्षा सौदों में भी रही है, जिनमें 31 एमक्यू-9बी ड्रोन की प्रस्तावित खरीद (नौसेना, वायुसेना और थलसेना के लिए), बोइंग पी-8आई समुद्री गश्ती

विमान, 22 हार्पून एंटी-शिप मिसाइलें, एएच-64ई अपाचे और सीएच-47 चिनूक हेलीकॉप्टर, तथा 10 सी-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन रक्षा सहयोगों से भारत की 100 से अधिक बड़ी और छोटी कंपनियां वैश्विक रक्षा आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी हैं, जिससे घरेलू रक्षा औद्योगिक क्षमता को भी मजबूती मिली है। एमक्यू-9 ड्रोन की बढ़ती तैनाती इस बात का संकेत है कि भारत अपनी जमीनी और समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिए उन्नत मानवरहित प्रणालियों पर भरोसा बढ़ा रहा है।

बांग्लादेश : पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का निधन, 80 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

ढाका, एजेंसी

ढाका. राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया का निधन हो गया. उन्होंने ढाका स्थित एवर केयर हॉस्पिटल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली. वह 80 वर्ष की थीं और लंबे समय से गंभीर बीमारियों से जूझ रही थीं. बीएनपी ने खालिदा जिया के निधन की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा की. पार्टी के अनुसार, डॉक्टरों ने सुबह करीब 6 बजे उन्हें मृत घोषित किया. पिछले कई दिनों से उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी और वे अस्पताल में भर्ती थीं. पार्टी की ओर से जारी बयान में बताया गया कि 29 और 30 दिसंबर की दरम्यानी रात उनकी

तबीयत अचानक काफी बिगड़ गई थी. उन्हें बेहतर इलाज के लिए विदेश ले जाने की योजना बनाई गई थी और कतर से एक विशेष विमान भी ढाका पहुंच चुका था, जिसे हवाई अड्डे पर तैयार रखा गया था. हालांकि मेडिकल बोर्ड ने उनकी हालत को देखते हुए लंदन ले जाने की अनुमति नहीं दी. खालिदा जिया मधुमेह, गठिया, लीवर सिरोसिस और हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित थीं. हालत गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया था और पिछले कुछ दिनों से वे वेंटिलेटर सपोर्ट पर थीं।

रेलवे बोर्ड राजधानी रायपुर के नई रेल संचालन तथा व्यवस्था में करेगा सुधार, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर में कोचिंग टर्मिनल का विस्तार

बिलासपुर। यात्रियों की बढ़ती मांग और भीड़भाड़ को कम करने के लिए प्रमुख शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार किया जा रहा है। इससे रेलवे नेटवर्क उन्नत होगा और देशभर में कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण सुधार होगा। - श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रीअंतर-शहरी व लंबी दूरी की यात्रा की तेज़ी से बढ़ती मांग को देखते हुए आने वाले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों की ट्रेन प्रारंभ करने की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करने की आवश्यकता है। इसके लिए मौजूदा रेलवे अवसंरचना को आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं के अनुरूप उन्नत किया जा रहा है, ताकि बेहतर, सुगम और सुरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

वर्ष 2030 तक कोचिंग क्षमता को दोगुना करने हेतु प्रमुख कार्य

वर्तमान टर्मिनलों में अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, स्टेबलिंग लाइनें, पिट लाइनें तथा पर्याप्त शंटिंग सुविधाओं का विकासशहरी क्षेत्रों में नए कोचिंग टर्मिनलों की पहचान एवं निर्माण ।कोचिंग रखरखाव के लिए उन्नत मेकैनिकल और मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स तैयार करनाअधिक ट्रेनों के संचालन हेतु ट्रैफिक्र सुविधा कार्य, सिग्नलिंग उन्नयन एवं मल्टी-ट्रैकिंग कार्य द्वारा सेक्शन क्षमता में वृद्धि ।कोचिंग टर्मिनलों के विस्तार की योजना बनाते समय आस-पास के स्टेशनों को भी सम्मिलित किया जा रहा है ताकि संपूर्ण रेलवे नेटवर्क पर क्षमता संतुलित रहे। उदाहरणस्वरूप पुणे के साथ-साथ हडपसर, खड़की एवं अलंदी को भी विस्तार योजना में शामिल किया गया है।

यह योजना उपनगरीय एवं गैर-उपनगरीय – दोनों तरह के ट्रैफिक्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही है। 48 प्रमुख शहरों के लिए एक व्यापक कार्ययोजना अंतिम चरण में है, जिसमें उन कार्यों को शामिल किया गया है जो प्रस्तावित, प्रगति पर या स्वीकृत हैं, ताकि समयबद्ध तरीके से क्षमता दोगुनी की जा सके।यद्यपि अंतिम लक्ष्य वर्ष 2030 तक निर्धारित है, परंतु क्षमता वृद्धि का प्रभाव आने वाले पाँच वर्षों में क्रमिक रूप से दिखाई देगा, क्योंकि विस्तार कार्य चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे। कार्ययोजना तात्कालिक, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक तीन श्रेणियों में स्पष्ट परिणामों एवं समयसीमा के साथ विभाजित की गई है। इसके साथ ही सभी ज़ोनल रेलवे को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने मंडलों में न केवल टर्मिनलों की क्षमता बढ़ाएँ, बल्कि यार्ड, स्टेशन और सेक्शनों में परिचालनिक बाधाओं को दूर कर ट्रेन संचालन क्षमता को व्यापक रूप से बढ़ाएँ।

इसी कड़ी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत चयनित प्रमुख शहर – रायपुर

इस योजना के अनुरूप कोचिंग क्षमता वृद्धि एवं टर्मिनल विस्तार की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रायपुर को प्रमुख केंद्र के रूप में शामिल किया गया है। यहाँ रेलवे अवसंरचना, कोचिंग सुविधाएँ एवं यात्री सुविधाओं को उन्नत करने हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। रायपुर बिलासपुरङ्कनागपुर रेलखंड पर स्थित एक महत्वपूर्ण यात्री एवं संचालन केंद्र है। रायपुर क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से आने वाले वर्षों में कोचिंग क्षमता बढ़ेगी, भीड़भाड़ कम होगी, नई ट्रेनों का संचालन संभव होगा तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

स्टेशन पर 07 प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं । 14 ट्रेनों की शुरुआत दुर्ग के माध्यम से होती है । ट्रेन परिचालन को सुगम बनाने एवं नई सेवाओं की शुरुआत के लिए केंद्री (नया रायपुर) में एक वैकल्पिक कोचिंग टर्मिनल का विकास प्रस्तावित है ।केंद्री (नया रायपुर) – प्रस्तावित वैकल्पिक कोचिंग टर्मिनल

यह टर्मिनल भविष्य की कोचिंग आवश्यकताओं को पूरा करेगा, जिसमें शामिल हैं :–

सचिव डॉ. रोहित यादव, डॉ. कमलप्रीत सिंह को मिलेगा न्यू ईयर का गिफ्ट

रायपुर । नया वर्ष में कई आएएस आईपीएस अधिकारियों को न्यू ईयर गिफ्ट मिलने की संभावना है। सरकार रोहित यादव और डॉ. कमलप्रीत सिंह को प्रमुख सचिव के पद पर प्रमोट कर सकती है। वहीं एसीएस के भी कई पद रिक्त होने वाले है। जिसके कारण प्रमुख सचिव स्तर के निहारिका बारिक और सुबोध सिंह को भी एसीएस बनाया जा सकता है। इस समय एसीएस ऋचा शर्मा ओर मनोज पिंगुवा दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे है।

मिली जानकारी के अनुसार राज्य में नये वर्ष में कई अधिकारियों को न्यू ईयर गिफ्ट मिलने की चर्चा है जिसके तहत अब सचिव स्तर पर आईएएस सहलानिगार प्रमुख सचिव पर प्रमोट हो जाएंगी तो 2010 बैच के आईएएस जेपी मौर्या कार्तिकेय गोयल, रमेश शर्मा और धर्मेंद्र साहू भी सेकेटरी बन सकते है। भूपेश सरकार में चर्चित आईएएस अधिकारी रानी साहू निलंबित है इसलिए उनका प्रमोशन नहीं हो पाएगा। वहीं सरकार चाहे तो निकारिका बारिक और सुबोध सिंह को एसीएस बना सकती है एसीएस के छह पद है। इस समय मुख्य सचिव को मिलाकर तीन ही अफसर है। बताया जाता है कि मनोज पिंगवा और ऋचा शर्मा फरवरी मार्च में दिल्ली जाने के लिए प्रयासरत है। इसके पश्चात यहां पर एसीएस की संख्या 0 हो जाएगी। पिछले सरकार ने रेणु पिल्ले और सुब्रत साहू डेढ़ साल पहले एसीएस बना दिया था। सरकार चाहे तो 2002 बैज के आईएएस अधिकारी रोहित यादव और कमलप्रीत को सचिव से प्रमुख सचिव पद पर प्रमोट कर सकती है क्यों कि प्रमुख सचिव में काफी पद रिक्त है। इस समय तीन ही प्रमुख सचिव है सुबोध सिंह निहारिका बारिक और सोनमणी बोरा है। वर्तमान में सेकेटरी दो है। रोहत और कमलप्रीत को प्रमुख सचिव बनाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। दोनों का ड्यू डेट 2027 है।

आईपीएस को भी मिलेगा गिफ्ट

आईएएस के पश्चात अब आईपीएस अधिकारियों को गिफ्ट देने की तैयारी है। एसएसपी से डीआई बनाने डॉ आनंद छाबड़ा का सिंगल नाम है वहीं 2008 की पारूल माथुर, प्रशांत अग्रवाल और नीतू कमल और मिलनाकुर्रे का नाम चर्चा में है। इसी तरह जितेंद्र शुक्ला मोहित गर्ग अभिषेक पल्लव और भोजराम पटेल को एसएसपी पद बनाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के आईपीएस जितेंद्र शुक्ला प्रतिनियुक्ति में जाएंगे

रायपुर, 29 दिसम्बर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के आईपीएस जितेंद्र शुक्ला केदीय प्रतिनियुक्ति में जाएंगे। जगदलपुर बटालियन के कमांडेंट और तेजतर्रार आईपीएस जितेंद्र शुक्ला को लेकर आदेश जारी हुआ है। आईपीएस जितेंद्र शुक्ला प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली जा रहे है। वे एनएसजी यानी नेशनल सिक्योरिटी गार्ड में एसपी का पद संभालेंगे। इस संबंध में डेपुटेशन आर्डर जारी हो गया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 5.74 करोड़ रुपये के सड़क निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

कवर्धा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र को मिली बड़ी सौगात

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के वनांचल और ग्रामीण क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए 5 करोड़ 74 लाख 87 हजार रुपये की लागत से तीन महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इन सड़क निर्माण कार्यों से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ-साथ विकास को भी नई गति मिलेगी। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने सर्वप्रथम मेन रोड से ग्राम कटगो तक 6.81 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस सड़क का निर्माण 3 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। सड़क के निर्माण से वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से निजात मिलेगी और ग्रामीणों का मुख्य मार्ग से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री शर्मा ने मेन रोड से खिरसाली तक 4 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया, जिसकी लागत 1 करोड़ 36 लाख 50 हजार रुपये है। वहीं मेन रोड से लाटा तक 2.80 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भी विधिवत भूमिपूजन किया गया जिसकी लागत 1 करोड़ 02 लाख 90 हजार है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम कटगो के ग्रामवासियों को इस बड़ी सौगात के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ग्रामीण विकास को लेकर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि ग्राम कटगो में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कुल 263 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनका निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि गांवों में अधोसंरचनात्मक विकास को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों को यह भी जानकारी दी कि आगामी नववर्ष के अवसर पर 01 जनवरी को भोरमदेव कॉरिडोर का भव्य भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और कवर्धा जिले को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने सभी ग्रामवासियों को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य लोकचंद साहू, राम किंकर वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

साहिबज़ादों का बलिदान बच्चों को साहस और धर्म के मार्ग पर चलने की देता है प्रेरणा

धमतरी । एकीकृत बाल विकास परियोजना, धमतरी ग्रामीण महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला धमतरी द्वारा ग्राम तेलीनसत्ती स्थित सिन्हा कलार समाज भवन में वीर बाल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के इतिहास में अद्वितीय साहस और बलिदान की मिसाल पेश करने वाले गुरु गोविंद सिंह जी के वीर सपूतों साहिबज़ादे जोरावर सिंह जी एवं साहिबज़ादे फ्तेह सिंह जी की अमर शहादत को स्मरण करना रहा। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं साहिबज़ादों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। साहिबज़ादों की शहादत को नमन करते हुए अपने उद्बोधन में श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि साहिबज़ादे जोरावर सिंह जी एवं साहिबज़ादे फ्तेह सिंह जी की शहादत केवल सिक्ख इतिहास ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष के लिए प्रेरणा का स्रोत है, इतनी कम उम्र में भी उन्होंने अत्याचार और अन्याय के सामने झुकने के बजाय सत्य और धर्म का मार्ग चुना, साहिबज़ादों का बलिदान हमें यह सिखाता है कि धर्म, संस्कृति और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए साहस और दृढ़ संकल्प सबसे बड़ा हथियार होता है, उनका जीवन आज के बच्चों और युवाओं को सच्चाई, निडरता और देशभक्ति के संस्कार देता है। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि वीर बाल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं है, बल्कि यह हमारे बच्चों के चरित्र निर्माण का अवसर है। हमें अपने बच्चों को वीरता, नैतिकता और देश के प्रति समर्पण की कहानियाँ बतानी चाहिए, ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें।उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए इस कार्यक्रम आयोजित करने की सराहना करते हुए कहा कि इससे बच्चों में देशभक्ति की भावना और अपने इतिहास के प्रति गर्व उत्पन्न होता है।

कर्तव्य पथ पर दिखेगा जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश का पहला डिजिटल संग्रहालय

गणतंत्र दिवस के लिए छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन

रायपुर । गणतंत्र दिवस समारोह में इस बार नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश के पहले डिजिटल संग्रहालय की झलक देखने को मिलेगी। रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के लिए छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन किया है।

इस डिजिटल संग्रहालय का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती पर नवा रायपुर अटल नगर में किया था। झांकी के चयन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बधाई देते हुए कहा छत्तीसगढ़ की झांकी के माध्यम से आदिवासी समाज की देशभक्ति, अद्भुत वीरता और अपने सिद्धांतों के लिए प्राण न्योछावर करने की परंपरा पूरे देश को देखने को मिलेगी। यह हमारे राज्य के लिए गर्व और उत्साह का विषय है।

जनसंपर्क विभाग के सचिव रोहित यादव ने बताया कि सभी राज्यों द्वारा झांकी का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेजा गया था। चार महीने के लंबे चयन प्रक्रिया के बाद 17 राज्यों की झांकियों को अंतिम चयन में जगह मिली है, जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल है। विशेषज्ञ समिति ने झांकी की विषयवस्तु और डिजाइन को बेहद सराहा और इसे अंतिम स्वीकृति दी।

जनसम्पर्क आयुक्त डॉक्टर रवि मित्तल ने बताया कि छत्तीसगढ़ की झांकी भारत सरकार की थीम 'स्वतंत्रता का मंत्र ङ्क वंदे मातरम्' पर आधारित है। छत्तीसगढ़ की झांकी में आदिवासी समाज के उन वीर नायकों के बलिदान को दिखाया गया है, जिनके सम्मान में देश का पहला डिजिटल संग्रहालय बनाया गया है। उन्होंने बताया डिजिटल संग्रहालय जनजातीय विद्रोहों की वीरता, एकजुटता और स्वतंत्रता के प्रति समर्पण को नई पीढ़ी तक रोचक और प्रेरणादायक रूप में पहुंचाता है।

जनसंपर्क अधिकारियों के अनुसार, छत्तीसगढ़ की झांकी की थीम और डिजाइन जनसंपर्क आयुक्त के मार्गदर्शन में तैयार की गई। इस थीम पर आधारित झांकी को पांच चरणों की कठिन प्रक्रिया से गुजरने के बाद अंतिम स्वीकृति प्राप्त हुई। रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति के समक्ष थीम और डिजाइन चयनित करने के बाद झांकी का थ्रीडी मॉडल प्रस्तुत किया गया। अंततः, म्यूजिक के चयन के साथ झांकी को अंतिम मंजूरी दी गई।

आगजनी और हिंसक झड़प के बाद झुका प्रशासन, निरस्त होगी जनसुनवाई !

रायगढ़ । छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले का तमनार क्षेत्र पिछले 24 घंटों से सुलग रहा है. जिंदल कंपनी की गारे पेलमा सेक्टर-1 कोल परियोजना के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश हिंसक संघर्ष में तब्दील हो गया. भारी पथराव, आगजनी और पुलिस के साथ हुई झड़प के बाद अब प्रशासन बैकफुट पर नजर आ रहा है. प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि विवादित जनसुनवाई को निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.विवाद की शुरुआत तब हुई जब 14 गांवों के ग्रामीण 8 दिसंबर को हुई जनसुनवाई को 'फर्जी' करार देकर लिबरा गांव के ष्टाक्क चौक पर धरने पर बैठ गए. शनिवार दोपहर स्थिति तब बिगड़ गई जब पुलिस ने वाहनों की आवाजाही शुरू कराने के लिए ग्रामीणों को हटाने की कोशिश की. इसी दौरान एक ट्रेलर की चपेट में आने से साइकिल सवार ग्रामीण घायल हो गया, जिसके बाद भीड़ बेकाबू हो गई.आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर जमकर पथराव किया, जिसमें तमनार थाना प्रभारी कमला पुसाम, एसडीओपी अनिल विश्वकर्मा और कई महिला आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए. उपद्रवियों ने पुलिस बस, जीप, एंबुलेंस और ट्रेलर समेत 8 से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया. इतना ही नहीं, भीड़ ने जिंदल कंपनी के परिसर में घुसकर कन्वेयर बेल्ट और कार्यालयों में भी तोड़फोड़ की. मौके पर पहुंचे कलेक्टर, एसपी और लैलूंगा विधायक विद्यावती सिदार को भी ग्रामीणों के आक्रोश और पथराव का सामना करना पड़ा.आज दूसरे दिन भी पूरे तमनार क्षेत्र में तनावपूर्ण सन्नाटा है और इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो चुका है. हालांकि, बिगड़ते हालात को देखते हुए प्रशासन ने ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता की.घरघोड़ा एसडीएम दुर्गा प्रसाद ने कहा- ग्रामीणों के साथ बैठक हुई है. हम जनसुनवाई निरस्तीकरण की प्रक्रिया की ओर बढ़ रहे हैं. ग्रामीणों की मांगों का सम्मान है, लेकिन क्षेत्र में शांति बनाए रखना प्राथमिकता है.इस पूरे मामले पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी संज्ञान लिया है. उन्होंने स्पष्ट किया है कि रायगढ़ की घटना की विस्तृत जांच कराई जाएगी और जो भी पक्ष- चाहे वो उपद्रवी हों या लापरवाही बरतने वाले- दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफसख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी.गायब हुए कंपनी के अधिकारीग्रामीणों का एक आरोप यह भी हैं कि जिंदल कंपनी के लिए लाइजनिंग करने वाले अधिकारी कल की घटना के बाद से गायब हैं. ग्रामीणों का दावा है कि ये अधिकारी वर्षों से कंपनी और ग्रामीणों के बीच के फंड में हेरफेर कर रहे थे, जिससे असंतोष और गहरा गया।

केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एक जनवरी को करेंगे सिरपुर के पुरातात्विक स्थलों का निरीक्षण

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल आकस्मिक सिरपुर पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा

महासमुंद । महासमुंद जिले के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर में आगामी 01 जनवरी को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज सिरपुर पहुंचकर विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह मौजूद थे।

निरीक्षण के दौरान पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने लक्ष्मण मंदिर, बौद्ध विहार परिसर, उत्खनन स्थलों सहित अन्य प्रमुख पुरातत्व स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्थलों की साफ्-सफ्ई, सुरक्षा व्यवस्था, मार्ग व्यवस्था, सूचना पट्टिकाओं तथा पर्यटकों की सुविधाओं को दुरुस्त किया जाए। साथ ही, ऐतिहासिक धरोहरों की संरक्षण संबंधी आवश्यक तैयारियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान अग्रवाल ने कहा कि सिरपुर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर है। केंद्रीय मंत्री के प्रस्तावित निरीक्षण से सिरपुर के विकास और संरक्षण को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने पर्यटन विभाग, पुरातत्व विभाग, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए ताकि कार्यक्रम सफ्ल और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी एवं विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने सिरपुर के ऐतिहासिक महत्व की जानकारी देते हुए क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिले में पर्यटन विकास को लेकर चल रही योजनाओं एवं प्रस्तावित कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, पुरातत्व, पर्यटन विभाग के अधिकारी, संस्कृति विभाग के अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. अटल का जीवन हमें सिखाता है कि राजनीति सत्ता का नहीं, साधना का मार्ग है : भावना बोहरा

कवर्धा। भारतीय जनता पार्टी केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के अवसर पर अटल स्मृति सम्मलेन का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज पंडरिया विधानसभा अंतर्गत यज्ञ स्थल, कुण्डा में विधानसभा स्तरीय अटल समिति सम्मलेन का आयोजन किया गया। आयोजन में राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय, विधायक भावना बोहरा, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी , कबीरधाम जिला संगठन प्रभारी महेश वर्मा ने स्व.अटल के छायाचित्र में पुष्पांजलि अर्पित कर सम्मलेन का शुभारम्भ किया।इस अवसर पर राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय ने संबोधित करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने न केवल भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, बल्कि विदेश मंत्री और संसद की विभिन्न महत्वपूर्ण स्थायी समितियों के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

ई-केवाईसी, भूमि एवं आधार सीडिंग पूर्ण करने पर पीएम किसान की किस्त सुनिश्चित

दुर्ग। राष्ट्रीय पेसा दिवस के अवसर पर संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं आयुक्त मनरेगा तारण प्रकाश सिन्हा दुर्ग जिले की 300 ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्रामसभाओं में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी वीबी-जी राम जी योजना की विस्तृत जानकारी दी।

सिन्हा ने बताया कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मनरेगा को उन्नत कर वीबी-जी राम जी योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के अंतर्गत अब ग्रामीणों को 125 दिवस का रोजगार मिलेगा, जबकि पूर्व में मनरेगा के तहत 100 दिवस का रोजगार दिया जाता था।

जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने ग्रामसभा को संबोधित करते हुए बताया कि हितग्राहियों को 25 दिवस का अतिरिक्त रोजगार मनरेगा के अंतर्गत प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन के संकल्प के अनुरूप अब गांवों का विकास सैटेलाइट तकनीक के माध्यम से सुनियोजित और व्यवस्थित ढंग से किया जाएगा।

-गांवों में होंगे बहुआयामी विकास कार्य ...

योजना के अंतर्गत जल जीवन मिशन से जुड़ी पेयजल आपूर्ति की मरम्मत एवं देखरेख, जल संरक्षण कार्य, स्कूलों की व्यवस्थाओं में सुधार, मंगल भवन निर्माण, आजीविका से जुड़े कार्य, लखपति दीदियों के लिए आवास, खेती-किसानी से संबंधित कार्य, डबरी निर्माण सहित अन्य विकास कार्य कराए जाएंगे। इससे ग्रामीणों की आजीविका सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी।

उन्होंने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत किए जाने वाले सभी कार्य राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना का हिस्सा होंगे। इनमें जल सुरक्षा, मूलभूत ढांचा, आजीविका आधारित अवसंरचनाएं तथा जलवायु परिवर्तन एवं प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों से बचाव से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

फेडरेशन की दमदार हड़ताल: शासकीय कार्यालयों में सन्नाटा, स्कूलों पर लटके ताले

सभास्थल से एक ही आवाज ङ्क यदि सरकार संवाद नहीं करती, तो फेडरेशन करेगा अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान

रायपुर । छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा प्रदेशभर में कर्मचारियों के हितों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदेश सरकार की मोदी की गारंटी योजना को लेकर कर्मचारियों में भारी असंतोष देखा गया, जिसके चलते आज इंद्रावती भवन से लेकर प्रदेशभर के शासकीय कार्यालयों में सन्नाटा छाया रहा। अधिकांश स्कूलों में ताले लटके रहे। नगरीय निकायों के कर्मचारियों ने अवकाश लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में भी शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अवकाश लेकर फेडरेशन के आंदोलन का समर्थन किया। नवा रायपुर स्थित विभागाध्यक्ष, निगम, बोर्ड इत्यादि कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कलम बंद कर पूर्ण समर्थन कर रहे है।आंदोलन के कारण वरिष्ठ अधिकारियों को नवा रायपुर स्थित शासकीय कार्यालयों तक पहुंचने में कठिनाई हुई।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा एवं संभाग प्रभारी चंद्रशेखर तिवारी के मार्गदर्शन में रायपुर में कलम बंद, काम बंद आंदोलन को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। जिला संयोजक पीतांबर पटेल एवं नवा रायपुर विभागाध्यक्ष कार्यालय के अध्यक्ष जय कुमार साहू एवं नवा रायपुर संयोजक संतोष कुमार वर्मा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सड़क पर उतरकर 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। महासमुंद के जिल संयोजक टेकराम सेन, धमतरी के जिला संयोजक चंदूलाल चंद्राकर, गरियाबंद के जिला संयोजक एम आर खान और बलौदाबाजार के जिला संयोजक एल एस ध्रुव के नेतृत्व में अब नई साहिबों, मोदी के गारंटी लेकर रहीबो नारे के साथ उग्र प्रदर्शन किया गया।आंदोलन में सभी जिलों के कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने अवकाश लेकर सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किए।

राजेश चटर्जी,संभाग प्रभारी दुर्ग के मार्गदर्शन में दुर्ग में कलम बंद, काम बंद आंदोलन को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। जिला संयोजक विजय लहरे के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सड़क पर उतरकर 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। राजनांदगांव के जिला संयोजक सतीश व्यौहारे, बालोद के जिला संयोजक लोकेश साहू, बेमेतरा के जिला संयोजक अश्वनी बनर्जी, कबीरधाम के जिला संयोजक प्रताप चंद्रवंशी और मानपुर मोहला के जिला संयोजक ओ पी माहला के नेतृत्व में अब नई साहिबों, मोदी के गारंटी लेकर रहीबो नारे के साथ उग्र प्रदर्शन किया गया।आंदोलन में सभी जिलों के कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने अवकाश लेकर सरकार के खिलाफरोष व्यक्त किए।*

जी.आर.चंद्रा संभाग प्रभारी बिलासपुर और रोहित तिवारी के मार्गदर्शन में बिलासपुर में कलम बंद, काम बंद आंदोलन को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। जिला संयोजक बिलासपुर डॉ बी पी सोनी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सड़क पर उतरकर 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। जांजगीर चांपा के जिल संयोजक विश्वनाथ परिहार, कोरबा के जिला संयोजक के आर डहरिया, मुंगेली के जिला संयोजक जे एस ध्रुव, गौरेला-मरवाही के जिला संयोजक डॉ संजय शर्मा, रायगढ़ के जिला संयोजक आशीष रंगारी, सारंगढ़ के जिला संयोजक फकीरा यादव के नेतृत्व में अब नई साहिबों, मोदी के गारंटी लेकर रहीबो नारे के साथ उग्र प्रदर्शन किया गया।आंदोलन में सभी जिलों के कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने अवकाश लेकर सरकार के खिलाफरोष व्यक्त किए।

कैलाश चौहान संभाग प्रभारी बस्तर और टार्जन गुप्ता के मार्गदर्शन में बस्तर में कलम बंद, काम बंद आंदोलन को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। जिला संयोजक जगदलपुर आर डी तिवारी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सड़क पर उतरकर 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। कांकेर के जिला संयोजक प्रमोद तिवारी, कोंडागांव के जिला संयोजक शिवराज सिंह ठाकुर , नारायणपुर के जिला संयोजक डॉ दीपेश रावटे, बीजापुर के जिला संयोजक के डी राय, दंतेवाड़ा के जिला संयोजक अरविंद यादव, सुकमा के जिला संयोजक विनायक साहू के नेतृत्व में अब नई साहिबों, मोदी के गारंटी लेकर रहीबो नारे के साथ उग्र प्रदर्शन किया गया।आंदोलन में सभी जिलों के कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने अवकाश लेकर सरकार के खिलाफरोष व्यक्त किए।

ओंकार सिंह संभाग प्रभारी सरगुजा और नृपेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में सरगुजा में कलम बंद, काम बंद आंदोलन को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर फोकस, छत्तीसगढ़ को ग्रीन एनर्जी हब बनाने की दिशा में सांसद बृजमोहन

चेन्नई/रायपुर। सोमवार को चेन्नई में एस्टीमेट कमेटी की बैठक में रायपुर सांसद एवं कमेटी के वरिष्ठ सदस्य बृजमोहन अग्रवाल ने देशभर में ऊर्जा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की और छत्तीसगढ़ को विशेष प्राथमिकता देते हुए ठोस सुझाव रखे। बैठक में समिति सदस्यों के साथ ही ऊर्जा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार सहित एनटीपीसी, एनएचपीसी, पीएफसी, एसईसीआई और ईरेडा भारतीय नवनीकरण उर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में श्री अग्रवाल ने कहा कि थर्मल एनर्जी की तुलना में सौर ऊर्जा की प्रति यूनिट लागत काफी कम है, ऐसे में छत्तीसगढ़ समेत देशभर में सौर ऊर्जा क्षमता बढ़ाने के लिए भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ सरकारी भूमि को 30 वर्षीय लीज़ पर उपलब्ध कराने जैसे व्यावहारिक विकल्पों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इससे बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं को गति मिलेगी और ऊर्जा उत्पादन की लागत भी घटेगी। उन्होंने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़, देश का दूसरा सबसे बड़ा पावर उत्पादक राज्य है, इसके बावजूद नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा में छत्तीसगढ़ का योगदान अन्य राज्यों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। श्री अग्रवाल ने एनटीपीसी सहित संबंधित एजेंसियों से छत्तीसगढ़ में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का शेयर बढ़ाने पर ज़ोर दिया, ताकि राज्य भारत के नेट ज़ीरो और ग्रीन एनर्जी लक्ष्यों को प्राप्त करने में अग्रणी भूमिका निभा सके। बैठक में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन की वित्तीय स्थिति में आए सकारात्मक सुधार पर भी चर्चा हुई। श्री अग्रवाल ने कहा कि इन संस्थानों के ग्रॉस और नेट एनपीए रेशियो में आई उल्लेखनीय गिरावट से उनकी वित्तीय सुदृढ़ता बढ़ी है, जिसका उपयोग देश और विशेषकर छत्तीसगढ़ में गुणवत्ता-युक्त नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को कम ब्याज दरों पर वित्तपोषित करने में किया जाना चाहिए।

शराब पीकर गाड़ी चलाई तो खैर नहीं! 2025 में रायपुर में 1523 नशेड़ी चालक दबोचे गए

रायपुर । राजधानी रायपुर की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए यातायात पुलिस ने नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए पूरे वर्ष 2025 में व्यापक अभियान चलाया। इस विशेष अभियान के तहत जनवरी से दिसंबर तक 1523 नशेड़ी वाहन चालकों को पकड़ा गया, जबकि 680 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। यातायात पुलिस रायपुर द्वारा यह विशेष अभियान पिछले एक वर्ष से लगातार चलाया जा रहा है। प्रतिदिन रात्रि 11 बजे से 2 बजे तक शहर के प्रमुख मार्गों पर चेकिंग प्वाइंट लगाकर ब्रीथ एनालाइजर मशीन की सहायता से शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नशे की हालत में वाहन चलाना न केवल चालक की बल्कि अन्य राहगीरों और वाहन चालकों की जान के लिए भी गंभीर खतरा है। इसी को ध्यान में रखते हुए मोटरयान अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाता है। अभियान के दौरान पकड़े गए नशेड़ी वाहन चालकों के वाहन मौके पर ही जब्त कर यातायात मुख्यालय में सुरक्षित रखे जाते हैं। न्यायालय में अर्थदंड जमा करने और आदेश प्राप्त होने के बाद ही वाहन सुपुर्दनामे पर छोड़े जाते हैं। इसके साथ ही संबंधित चालकों के खिलाफ लाइसेंस निलंबन की पृथक कार्यवाही भी की जाती है।कुल 1523 वाहन चालकों पर कार्रवाई यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में भी यह विशेष अभियान और अधिक सख्ती के साथ जारी रहेगा, ताकि राजधानी की सड़कों पर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

राशन न मिलने से ग्रामीणों में नाराजगी, हंगामा और कलेक्ट्रेट तक मार्च

कोंडागांव । शासकीय खाद्यान्न योजना के तहत राशन न मिलने पर ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। पलारी लेम्पस में जमा हुए हितग्राही पहले तो लेम्पस परिसर में जमकर हंगामा किया और बाद में कलेक्ट्रेट की ओर मार्च कर दिया। यहां के ग्रामीणों का आरोप है कि मां दंतेश्वरी चांदनी स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित लेम्पस में राशन वितरण में गड़बड़ी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि संचालक राशन देने के बदले कार्ड पर अंगूठा लगवा लेते हैं, लेकिन राशन नहीं मिलता।

शराब घोटाला: 31 अधिकारियों के खाते सीज , ईडी के अंतिम चालान में तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर श्रीवास्तव का नाम जोड़ा

रायपुर। शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 29 हजार 800 पन्नों की चार्जशीट पेश की, जिसमें आबकारी विभाग के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर आशीष श्रीवास्तव का नाम जोड़ा गया है। ईओडब्ल्यू की चार्जशीट में उनका नाम शामिल नहीं था। हालांकि अब आशीष श्रीवास्तव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि सचिव कम आयुक्त आर संगीता के तीन जनवरी को छुट्टी से लौटने के बाद कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा मामले में आरोपी बनाए गए 31 अधिकारियों के खाते को सीज कर दिया गया है। कुल 38.21 करोड़ रुपए की संपत्ति सीज की गई है। साथ ही उन अफसरों की खाते कार्रवाई में शामिल हैं। जिनकी पत्नियों के खाते में संदिग्ध ट्रांजेक्शन मिले हैं। बता दें कि ईओडब्ल्यू की चार्जशीट में 29 अफसर आरोपी बनाए गए थे। इनमें से 22 को 7 जुलाई 2025 को सस्पेंड कर दिया गया था। बाकी 7 रिटायर हो चुके हैं। हाल ही में आयुक्त निरंजन दास को भी गिरफ्तार किया गया है।

90 करोड़ की हुई बंदरबांट

ईडी ने जांच में पाया है कि शराब घोटाले में अफसरों को करीब 90 करोड़ रुपए बांटे गए। इसमें पूर्व आयुक्त निरंजन दास को 18 करोड़ रुपए की रिश्वत दी गई। इकबाल खान

को 12 करोड़, नोहर सिंह ठाकुर को 11 करोड़, नवीन प्रताप सिंह तोमर को 6.7 करोड़, राजेश जायसवाल को 5.79 करोड़, अनिमेष नेताम को 5.28 करोड़ और दिनकर वासनिक, गंभीर सिंह, अरविंद पटले, आशीष कोसम, अनंत सिंह, सौरभ बक्शी, प्रकाश पाल, गरीबपाल सिंह, मोहित जायसवाल को 2 करोड़ रुपए से अधिक की रिश्वत दी गई। आशीष श्रीवास्तव को भी 54 लाख रुपए दिए जाने के सबूत ईडी को मिले हैं।

आय से अधिक संपत्ति का केस

अधिकतर अफसरों के पास आय से अधिक संपत्ति मिली है. इसलिए इन पर एक केस आय से अधिक संपत्ति का भी चलेगा. इन्हें यह बताना होगा कि इतनी संपत्ति कहां से आई. क्योंकि अधिकतर अफसरों का वेतन वर्तमान में 1 से 1.5 लाख रुपए महीने है. ऐसे में 20 साल की नौकरी में औसत एक करोड़ से अधिक वेतन नहीं पा सकते. जबकि कई अफसरों के पास 5 करोड़ से अधिक की संपत्ति -मिली है.

अफसरों की बहाली अब कोर्ट के फैसले के बाद ही संभव

सस्पेंड किए गए अफसरों को 50 प्रतिशत वेतन दिया जाता है. नियमानुसार 90 दिन में चार्जशीट दाखिल नहीं होती है, तो वेतन 75 प्रतिशत कर दिया जाता है. लेकिन अब ईडी ने अपनी अंतिम चालान दाखिल कर दी है, ऐसे में इन अफ सरों की बहाली का रास्ता भी बंद हो गया है। अब न्यायालय से निर्णय आने के बाद ही बहाली संभव हो पाएगी। इसमें से कुछ अफ सर अगले एक-दो साल में रिटायर होने वाले हैं।

स्मृति पुस्तकालय योजना से शिक्षा को मिला नया संबल : मंजू चौबे ने दान की पुस्तकें

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना शिक्षा के क्षेत्र में नया संबल प्रदान कर रही है। इसी क्रम में कंप्यूटर ऑपरेटर श्रीमती मंजू चौबे ने इंजीनियरिंग, मार्केटिंग एवं एसएससी सहित अन्य पुस्तक दान की है ।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सीईओ एवं सेवानिवृत्त एसीएस एम. के. राउत ने इन पुस्तकों को ग्रहण करते हुए इस पुनीत कार्य के लिए दानदाता का आभार व्यक्त किया। जिले में 15 जुलाई से प्रारंभ इस योजना के तहत अब तक 6600 से अधिक पुस्तकें दान की जा चुकी हैं। ये पुस्तकें जरूरतमंद विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होंगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे आगे आकर पुस्तकें एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दान करें और ज्ञान के इस अभियान में सहभागी बनें।

प्रदेश के किसान आधुनिक कृषि यंत्रों से हो रहे हैं समृद्ध

बीज निगम द्वारा किसानों को अनुदान पर उपलब्ध कराये जा रहे आधुनिक कृषि यंत्र

रायपुर। प्रदेश के किसान खेती-किसानी में आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं। वहीं विकसित भारत विजन की परिकल्पना की ओर अग्रसर हो रहे हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा किसानों को अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिसका बड़ी संख्या में किसान लाभ ले रहे हैं। किसान सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर खेती किसानी के उन्नत एवं आधुनिक तौर तरीके अपना रहे हैं, जिससे किसानों को पारंपरागत किसानी से अधिक फायदा हो रहा है। शासकीय अनुदान पर आधुनिक एवं उन्नत कृषि यंत्र किसानों को कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन द्वारा कृषि के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं जिनसे किसान लगातार लाभान्वित हो रहे हैं, चाहे वो उन्नत बीज हो या अन्य विभागीय योजनाएं। इसी क्रम में बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा किसानों के हित में शासकीय अनुदान पर आधुनिक एवं उन्नत किस्म में विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों को किसानों को उपलब्ध कराया जाता है द्य खेती किसानी के विभिन्न चरणों जुताई, बुआई, रोपाई, फसल कटाई जैसे सभी चरणों के लिए अनुदान पर कृषि यंत्र किसान के द्वारा चयन आधार पर उपलब्ध कराया जाता है, इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। बीज निगम द्वारा किसानों को शक्ति चलित कृषि यंत्र जैसे - रोटावेटर, स्व चलित रीपर, पैडी ट्रांसप्लांटर, लेज़र लैंड लेवलर, पावर वीडर, मल्चर, थ्रेशर, सीड ड्रिल, सहित अन्य आधुनिक कृषि यंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से फसल की गुणवत्ता बेहतर हुई इन कृषि यंत्रों के उपयोग से किसानों को समय की बचत के साथ-साथ श्रम लागत में भी कमी हो रही है। किसानों का कहना है कि आधुनिक यंत्रों के प्रयोग से खेती का कार्य कम समय में और अधिक सटीक तरीके से हो पा रहा है, जिससे फसल की गुणवत्ता बेहतर हुई है। परिणाम स्वरूप बाजार में उन्हें उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त हो रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। 882 किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्रों से किया गया लाभान्वित बता दें कि बीज निगम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। निगम द्वारा किसानों की आवश्यकताओं के अनुसार कृषि यंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराने की योजना क्रियान्वित है। जिससे कृषि क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा मिल रहा है। वर्ष 2025-26 में अभी तक 882 किसान को अनुदान पर कृषि यंत्रों से लाभान्वित हो चुके हैं। स्व-चलित रीपर से कटाई हुई आसान बिलासपुर जिले के किसान नारायण दल्लू पटेल ने बीज निगम के माध्यम से अनुदान पर स्व-चलित रीपर प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि पहले एक एकड़ फसल की कटाई में 10-12 मजदूर और पूरा दिन लगता था, जबकि अब वही कार्य 2-3 घंटे में पूरा हो जाता है। इससे कटाई लागत में 50-60 प्रतिशत तक कमी आई है और समय पर कटाई संभव हो सकी है। रोटावेटर से खेत की तैयारी हुई तेज रायपुर जिले के किसान हीरालाल साहू ने बताया कि रोटावेटर के उपयोग से खेत की जुताई एक ही बार में हो जाती है। पहले जहाँ खेत तैयार करने में 3-4 दिन लगते थे, अब कुछ घंटों में कार्य पूर्ण हो जाता है। इससे फसल उत्पादन में 20-25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। सीड ड्रिल से बीज की बचत और बेहतर उत्पादन खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के किसान लेखूराम छेदईया ने अनुदान पर सीड ड्रिल मशीन क्रय किए है।

मतदाता सूची अद्यतन एवं जागरूकता को लेकर बीएलओ की बैठक व स्वीप गतिविधियां आयोजित

सूरजपुर। सूरजपुर जिले में मतदाता सूची के अद्यतन एवं मतदाता जागरूकता को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। तहसील ओड़गी में बीएलओ की बैठक आयोजित कर फॉर्म-6 कलेक्शन की समीक्षा की गई। इस दौरान बीएलओ नो-मैपिंग मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए तथा लॉजिकल त्रुटियों के सुधार हेतु को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसी क्रम में तहसीलदार की उपस्थिति में जनपद सभा कक्ष, भैयाथान में समस्त बीएलओ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में फॉर्म-6 का कलेक्शन एवं ऑनलाइन एंट्री,नो-मैपिंग मतदाताओं को नोटिस ,लॉजिकल त्रुटि सुधार, अन्य संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

वहीं स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अधिना सलका (तहसील भटगांव) में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा विद्यालय में 27 बच्चों को चिन्हांकित कर फॉर्म-6 का वितरण किया गया।

अपने कंधों पर बैठाकर पं. धीरेंद्र शास्त्री को छत्तीसगढ़ लाएंगे', बोले विजय शर्मा, सुशील आनंद शुक्ला ने किया पलटवार

बाबा बागेश्वर के सरकारी विमान से आने वाले विपक्ष के आरोपों पर जवाब दिया

रायपुर । दिव्य हनुमंत कथा के चौथे दिन कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमान चालीसा की चौपाइयों बताया। इस दौरान कार्यक्रम में प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए। जहां उन्होंने बाबा बागेश्वर के सरकारी विमान से आने वाले विपक्ष के आरोपों पर जवाब दिया। कार्यक्रम में प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए. जहां उन्होंने बाबा बागेश्वर के सरकारी विमान से आने वाले विपक्ष के आरोपों पर जवाब दिया। वहीं प्रदेश कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने मंत्री के बयान पर पलटवार किया है।

अपने कंधों पर बैठाकर पं. धीरेंद्र शास्त्री को लाएंगे - विजय शर्मा

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, पंडित धीरेंद्र शास्त्री जी केवल कथा वाचक ही नहीं, बल्कि करोड़ों सनातनियों के लिए

प्रेरणापुंज हैं। उन्होंने कहा , कुछ लोग धर्म गुरुओं और संत-महात्माओं पर भी प्रश्न खड़े करते हैं। ऐसे कुछ विधर्मी हमारे प्रदेश में भी हैं, इस तरह की अशिष्ट भाषा का उपयोग करने वालों को समय आने पर जनता स्वयं जवाब देगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां भी समाज को दिशा देने वाली धर्म कथा होगी, वहां धर्मशास्त्र बताने वाले संत-महात्माओं के साथ प्रदेश की सरकार हमेशा खड़ी रहेगी। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सरकारी विमान से आने को लेकर उठे विवाद पर उन्होंने कहा, पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जब-जब छत्तीसगढ़ आएंगे, तब-तब प्रदेश के लोग और वे स्वयं उन्हें कंधों और पलकों पर बैठाकर लाएंगे।

वे सरकारी विमान से लाएंगे तो हम सवाल खड़े करेंगे = सुशील आनंद शुक्लाकांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने विजय शर्मा के इस बयान पर पलटवार करते हुए कहा, आप उनको पलकों में बैठाकर लिए या फिर गोद में झूला झुलाते हुए लाइए हमें कोई आपत्ति नहीं, लेकिन सरकारी विमान से लाएंगे तो हम सवाल खड़े करेंगे। छत्तीसगढ़ की जनता को श्री राम और हनुमानजी की भक्ति के लिए ढोंगियों की जरूरत नहीं। भाजपा अपने प्रचार के लिए उनको प्रचारक के रूप में ला सकती है।

छत्तीसगढ़ की फिज़ा को अशांत न करें - दीपक बैज

वहीं विजय शर्मा के बयान पर पीसीसी चीफदीपक बैज ने कहा, गृहमंत्री को पहले कानून व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए। कोई भी बाबा छग आएं कांग्रेस को आपत्ति नहीं है। मगर सरकारी जहाज से बाबा को लाने का ठेका क्या सरकार ने ले रखा है? विजय शर्मा उन्हें पलकों में बैठाए, कंधों में बैठाए या सिर में बैठा ले। कोई भी बाबा छत्तीसगढ़ की फिज़ा को अशांत ना करें।

प्रदेश के किसान आधुनिक कृषि यंत्रों से हो रहे हैं समृद्ध

रायपुर। प्रदेश के किसान खेती-किसानी में आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं। वहीं विकसित भारत विजन की परिकल्पना की ओर अग्रसर हो रहे हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा किसानों को अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिसका बड़ी संख्या में किसान लाभ ले रहे हैं। किसान सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर खेती किसानी के उन्नत एवं आधुनिक तौर तरीके अपना रहे हैं, जिससे किसानों को पारंपरागत किसानी से अधिक फायदा हो रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन द्वारा कृषि के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं जिनसे किसान लगातार लाभान्वित हो रहे हैं, चाहे वो उन्नत बीज हो या अन्य विभागीय योजनाएं। इसी क्रम में बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा किसानों के हित में शासकीय अनुदान पर आधुनिक एवं उन्नत किस्म में विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों को किसानों को उपलब्ध कराया जाता है द्य खेती किसानी के विभिन्न चरणों जुताई, बुआई, रोपाई, फसल कटाई जैसे सभी चरणों के लिए अनुदान पर कृषि यंत्र किसान के द्वारा चयन आधार पर उपलब्ध कराया जाता है, इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। बीज निगम द्वारा किसानों को शक्ति चलित कृषि यंत्र जैसे - रोटावेटर, स्व चलित रीपर, पैडी ट्रांसप्लांटर, लेज़र लैंड लेवलर, पावर वीडर, मल्चर, थ्रेशर, सीड ड्रिल, सहित अन्य आधुनिक कृषि यंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इन कृषि यंत्रों के उपयोग से किसानों को समय की बचत के साथ-साथ श्रम लागत में भी कमी हो रही है।

संपादकीय

बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी?

भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों के पास जीवन बीमा और एक फीसदी लोगों के पास सामान्य बीमा पॉलिसी है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या पांच प्रतिशत से कम है। बाकी लोग पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर केंद्र ने हाल में अनेक ऐसे फैसले लिए हैं, जिनके जरिए नरेंद्र मोदी सरकार तीव्र गति से अगले चरण के आर्थिक सुधारों को लागू कर रही है। इस दिशा में जीएसटी दरों में हेरफेर और चार श्रम संहिताओं पर अमल के बाद अब बीमा क्षेत्र में उदारीकरण का बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट ने नए बीमा विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत इस क्षेत्र को 100 फीसदी विदेशी निवेश के लिए खोला जाएगा।

कैलेंडर का बदलाव: भारतीय दृष्टि

लेखक: प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

कैलेंडर का बदलाव प्रायः उत्सव, शुभकामनाओं और संकल्पों का प्रतीक माना जाता है, किंतु भारतीय दृष्टि में यह केवल तिथियों का परिवर्तन नहीं, अपितु चेतना का जागरण है। भारतीय दर्शन में समय को अंकों की गणना न मानकर जीवन-चक्र, प्रकृति-चक्र और आत्मचिंतन से जोड़ा गया है। यही कारण है कि सनातनी नववर्ष चैत्र प्रतिपदा से आरंभ होता है, जबकि सरकारी कामकाज और दैनिक जीवन अंग्रेजी कैलेंडर पर आधारित है,जिसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है। भारत की विशेषता यही है कि हम दोनों को सम्मान देते हैं।

आज प्रश्न यह नहीं कि कैलेंडर वर्ष 2025 समाप्त हो रहा है और 2026 आ रहा है, बल्कि प्रश्न यह हैं कि क्या हमारी सोच परिपक्व हुई? क्या हम जाति, धर्म, भाषा और मजहब से ऊपर उठकर संविधान और राष्ट्रधर्म के प्रति समर्पित हुए हैं? क्या हमारा आचरण देश हितैषी और ईमानदार हुआ है? समय की मांग है कि हर भारतीय बीते वर्ष की अच्छाइयों-बुराइयों, सफलताओं-असफलताओं का आत्ममंथन करे। क्योंकि उपलब्धियाँ हमेशा आत्मविश्वास में वृद्धि करती हैं, जबकि असफलताएँ बेहतर करने प्रेरणा देती हैं,न कि दुःख। इसलिए अनावश्यक बोझ जैसे कटु स्मृतियाँ, ग्रंथियाँ और कड़वाहटें छोड़कर ही नया वर्ष सार्थक हो सकता है।भारतीय परंपरा में समय को गुरु माना गया है, जो सिखाता है किंतु दंडित नहीं करता। कैलेंडर का पन्ना पलटते समय यदि आंतरिक झाँकना न हो, तो यह केवल औपचारिकता बन जाता है। आजकल अधिकतर भारतीय नववर्ष को भी पश्चिमी अंदाज-पार्टी, आतिशबाजी और शोर-शराबे आदि में मनाने लगे हैं। भारतीय दर्शन का मानना है कि व्यक्ति में सकारात्मक परिवर्तन बाहरी प्रदर्शन से नहीं, आंतरिक अनुशासन से आता है, और सकारात्मकता का आधार है एकता, अनुशासन, भाईचारा, क्षमा, संवाद तथा अच्छी , प्रगतिशील सोच के साथ अच्छा व्यवहार एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता। वर्ष 2026 में इन्हीं विचारों एवं नवीन ऊर्जा के साथ आगे बढ़ना होगा, विशेषकर युवा बाहुल्य भारतीय जनता को।प्रकृति हमें सिखाती है कि जिस तरह सूर्योदय बिना शोर के अंधकार हरता है, वैसे ही सकारात्मक संकल्प निराशा, द्वेष और जड़ता को शांतिपूर्वक तरीके से दूर कर सकते हैं। संदेश स्पष्ट है- ÷जीवन में परिवर्तन तिथि बदलने से नहीं, सकारात्मक दृष्टिकोण से आता है। चेतना जागृत हो, तो हर क्षण नया बनता है।÷ कैलेंडर बदलाव के इस अवसर पर हम सब संकल्प लें कि 2026 में हम सोच में परिपक्व, आचरण में जिम्मेदार राष्ट्रभक्त, समाजसेवी और सजग कर्मयोगी बनेंगे।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा
लिखित पुस्तकें पढ़िये
ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

बढ़ते कामकाजी जीवन के दबाव में बिखरते परिवार

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भाग-दौड़, प्रतिस्पर्धा और आकांक्षाओं से भरे आधुनिक जीवन में परिवार के लिए समय निकालना आज केवल एक भावनात्मक आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक अस्तित्व का प्रश्न बनता जा रहा है। वर्ष 2025 की विदाई और 2026 की अगवानी की इस संधि बेला में खड़े होकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो साफ दिखाई देता है कि विकास, तकनीक और कैरियर की दौड़ ने हमें सुविधा तो दी, लेकिन संबंधों की ऊष्मा धीरे-धीरे छीन ली। परिवार, जो सदियों से मनुष्य का सबसे सुरक्षित आश्रय रहा है, आज स्वयं असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि आधुनिकता गलत है, प्रश्न यह है कि क्या आधुनिक जीवन शैली में परिवार व्यवस्था को बचाने की हमारी इच्छाशक्ति और समझ उतनी ही मजबूत है या नहीं?

व्यस्ततम, घटनाबहुल एवं कामकाजी जिंदगी जीने के साथ परिवार के लिए वक्त निकालना आज के इंसान के लिए ज्यादा जरूरी हो गया है। परिवार से यह जुड़ाव व्यक्ति को न केवल भावनात्मक रूप से, बल्कि शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से भी खुशनुमा रहने की ताकत देता है। इस सोच के बीच ताजा अध्ययन में आया यह तथ्य सचमुच चौंकाने वाला और चिंताजनक है कि काम के बोझ व परिवार को समय नहीं दे पाने से उपजी परिस्थितियों से निजात पाने के लिए साठ फीसदी से ज्यादा लोग अपनी मौजूदा नौकरी को बदलना चाहते हैं। ग्रेट प्लेस टू वर्क का यह अध्ययन भारत के कामकाजी लोगों के लिए और भी गंभीर है क्योंकि वर्क-लाइफ बैलेंस की ग्लोबल रैंकिंग में हम 42 वें स्थान पर हैं।

आज कामकाजी जीवन का दबाव इतना बढ़ चुका है कि व्यक्ति शारीरिक रूप से घर में मौजूद होते हुए भी मानसिक रूप से दफ्तर में ही रहता है। डिजिटल कनेक्टिविटी ने समय और स्थान की सीमाएं मिटा दी हैं, लेकिन इसी के साथ उसने घर और कार्यस्थल के बीच की स्वाभाविक दीवार भी तोड़ दी है। मोबाइल फोन, लैपटॉप और ऑनलाइन मीटिंग्स ने परिवार के साथ बैठकर बातचीत करने, एक-दूसरे की बात सुनने और महसूस करने के अवसरों को सीमित कर दिया है। विडंबना यह है कि हम परिवार के लिए मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उसी मेहनत की कीमत परिवार से दूरी बनाकर चुका रहे हैं।

वर्क फ्रॉम होम की संस्कृति को शुरू में वरदान माना गया था, लेकिन धीरे-धीरे यह भी पारिवारिक जीवन के लिए एक नई चुनौती बन गई। घर अब विश्राम और संवाद का स्थान न रहकर कार्यालय का विस्तार बन गया है। बच्चों के सामने माता-पिता लगातार स्क्रीन में उलझे रहते हैं, पति-पत्नी के बीच संवाद की जगह नोटिफिकेशन ले लेते हैं और बुजुर्गों की बातें अक्सर 'बाद में' की श्रेणी में डाल दी जाती हैं। ऐसे में परिवार एक साथ रहते हुए भी भीतर से बिखरता चला जाता है। यह बिखराव केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि संस्कारों, परंपराओं और आपसी जिम्मेदारियों का भी है।

कॉर्पोरेट कार्यशैली में बढ़ते लक्ष्य, बढ़ता प्रतिस्पर्धात्मक दबाव और बॉस संस्कृति ने व्यक्ति को लगातार यह एहसास कराया है कि यदि वह रुका तो पीछे रह जाएगा। इस डर ने जीवन की गति को इतना तेज कर दिया है कि ठहराव, आत्मचिंतन और संबंधों के लिए समय निकालना कमजोरी समझा जाने लगा है। जबकि सच यह है कि मजबूत परिवार ही व्यक्ति को मानसिक स्थिरता, आत्मविश्वास और जीवन की कठिनाइयों से जूझने की ताकत देता है। जब यह आधार कमजोर होता है, तो व्यक्ति बाहर से सफल दिखते हुए भी भीतर से टूटने लगता है।

सोशल मीडिया ने इस संकट को और गहरा किया है। एक ही छत के नीचे रहते हुए भी परिवार के सदस्य अलग-अलग आभासी दुनिया में जी रहे हैं। दिखावे की खुशी, तुलना की प्रवृत्ति और निरंतर उपलब्ध रहने का दबाव रिश्तों में असंतोष और तनाव पैदा कर रहा है। हम दूसरों की जिंदगी पर नजर रखने में इतने व्यस्त हो गए हैं कि अपने घर के भीतर चल रही भावनाओं को समझने का समय ही नहीं बचा। यह स्थिति यदि यूं ही चलती रही तो परिवार केवल एक संरचना बनकर रह जाएगा, जिसमें आत्मा का अभाव होगा। ऐसे समय में आदर्श और अनुकरणीय परिवार व्यवस्था की पुनर्स्थापना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। इसके लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि करियर और परिवार एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यह सोच बदलनी होगी कि सफलता का पैमाना केवल पद, पैसा और प्रतिष्ठा है। यदि इन सबके बीच परिवार में संवाद, स्नेह और अपनापन नहीं है, तो ऐसी सफलता अधूरी ही नहीं, खोखली भी है। नए वर्ष में हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने समय, ऊर्जा और प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करेंगे।

परिवार को बचाने के लिए किसी बड़े सिद्धांत की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों की जरूरत है। घर में रहते हुए कुछ समय तकनीक से दूरी बनाना, साथ बैठकर भोजन करना, बच्चों और बुजुर्गों की बातों को ध्यान से सुनना और एक-दूसरे की भावनाओं को महत्व देना, ये सब साधारण लगने वाले कदम ही परिवार को फिर से जोड़ सकते हैं। यह समझना जरूरी है कि गुणवत्ता पूर्ण समय केवल घंटों की संख्या से नहीं, बल्कि उस समय में मौजूद संवेदनशीलता और सहभागिता से तय होता है। नई परिवार व्यवस्था का अर्थ यह नहीं कि हम पुरानी परंपराओं को ज्यों का त्यों लौटा लें, बल्कि यह है कि हम आधुनिक जीवन की वास्तविकताओं के बीच संबंधों के मूल्यों को सुरक्षित रखें। जहां दोनों पति-पत्नी कामकाजी हैं, वहां जिम्मेदारियों का संतुलित बंटवारा, आपसी सहयोग और सम्मान परिवार को मजबूत बना सकता है। बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा की दौड़ के लिए तैयार करने के बजाय उन्हें भावनात्मक बुद्धिमत्ता, संवेदनशीलता और रिश्तों की अहमियत सिखाना भी उतना ही जरूरी है। बुजुर्गों को बोझ नहीं, बल्कि अनुभव और संस्कार की धरोहर मानकर सम्मान देना परिवार की आत्मा को जीवित रखता है।

घर पर रहते हुए भी कार्यस्थल से डिजिटल कनेक्टिविटी ने अलग तरह के तनाव को जन्म दिया है। रही-सही कसर घर से कार्यस्थल की लंबी दूरी पूरी कर देती है जहां व्यक्ति को दिनभर का बड़ा हिस्सा सफर में बिताने की मजबूरी का सामना भी करना पड़ता है। खतरे की बात यह भी है कि दफ्तर में काम का दबाव कई बार व्यक्ति का आत्मविश्वास भी कमजोर कर देता है। यह बात और है कि संस्थानों में काम के घंटे बढ़ाने का मुद्दा भी हमारे यहां बहस का विषय बनता रहा है। तर्क यह भी दिया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर उत्पादकता बढ़ाने का विकल्प कार्य के घंटे बढ़ाना ही हो सकता है। इसीलिए श्रम कानून में भी काम के घंटे बढ़ाने की छूट दी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि अधिक से अधिक कमाने की चाहत के साथ-साथ कार्यस्थल पर काम का बोझ भी बढ़ा है।यह भी जरूरी है कि संस्थान और समाज दोनों स्तरों पर वर्क-लाइफ बैलेंस को गंभीरता से लिया जाए। केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि कार्यसंस्कृति में मानवीय दृष्टिकोण को शामिल करना होगा। उत्पादकता का अर्थ केवल लंबे काम के घंटे नहीं, बल्कि संतुलित और संतुष्ट कर्मचारी भी है। जब व्यक्ति का पारिवारिक जीवन स्थिर होता है, तभी वह कार्यस्थल पर रचनात्मक और प्रभावी योगदान दे पाता है।

नए वर्ष की दहलीज पर खड़े होकर यह आत्ममंथन जरूरी है कि यदि हमने आज परिवार को प्राथमिकता नहीं दी, तो आने वाली पीढ़ियों को केवल सुविधाएं तो मिलेंगी, लेकिन संबंधों की गर्मी नहीं। परिवार केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि साथ महसूस करने की प्रक्रिया है। यदि यह प्रक्रिया टूट गई तो समाज की नींव कमजोर हो जाएगी। इसलिए 2026 की ओर कदम बढ़ाते हुए हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम तकनीक का उपयोग जीवन को सरल बनाने के लिए करेंगे, संबंधों को प्रतिस्थापित करने के लिए नहीं। करियर की ऊंचाइयों के साथ-साथ परिवार की जड़ों को भी सींचेंगे, ताकि आधुनिकता और मानवीयता के बीच संतुलन बना रहे। यही संतुलन एक नई, सशक्त और अनुकरणीय परिवार व्यवस्था की नींव रख सकता है, जो बदलते समय में भी रिश्तों की रोशनी को बुझने नहीं देगा।

यह निजी विचार है।

कांग्रेस ने विभाजन के बीज बोए

बलबीर पुंज

भारतीय उपमहाद्वीप में जो मुस्लिम समूह 'वंदे मातरम' के विरोध के पीछे मजहबी कारणों का हवाला देता है, वह वास्तव में भ्रामक और झूठा है। विश्व के इस क्षेत्र में मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को इस्लामी पहचान का प्रतीक मानता है। परंतु पाकिस्तान न तो इस्लाम का रक्षक है, न ही 'उम्माह' के प्रति वफादार।

भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के विरोध का कारण क्या है? तथाकथित 'सेकुलर' खेमा– जोकि वामपंथियों, स्वयंभू उदारवादियों और मुस्लिम नेतृत्व के एक वर्ग को मिलाकर बना है– उसका दावा है कि वंदे मातरम् 'गैर-इस्लामी' है। सच क्या है? दरअसल, इस आपत्ति की जड़े इस्लामी अवधारणाओं के बजाय भारतीय उपमहाद्वीप के मुस्लिम अभिजात वर्ग में व्याप्त गैर-इस्लामी सनातन सभ्यता के प्रति गहरे द्वेष में अधिक मिलती है। इसी अंतर्निहित वैमनस्य की कोख से पाकिस्तान का जन्म हुआ था, जो आज भी विश्व के इस भूखंड में सांप्रदायिक विभाजनकारी मानसिकता को जिंदा रखे हुए है।

जिस तरह संस्थाएं-व्यक्ति समय के साथ बदलते हैं, वैसे ही विचार भी विकसित होते हैं। 'वंदे मातरम' बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित गीत है, जिसे पहले 1875 में स्वतंत्र कविता के रूप में लिखा गया, फिर यह 1882 में 'आनंदमठ' उपन्यास में शामिल हुआ। यह साहित्य 1773 के 'संन्यासी विद्रोह' पर आधारित है, जो ब्रितानी शासन और तत्कालीन इस्लामी-व्यवस्था के विरुद्ध था। बीसवीं सदी की शुरूआत से यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का सबसे शक्तिशाली नाद बन गया।

कांग्रेस स्वयं भी इस वैचारिक रूपांतरण का एक बड़ा उदाहरण है। 1885 में अंग्रेज अधिकारी एलन ऑक्टेवियन ह्यूम द्वारा स्थापित कांग्रेस पहले ब्रिटिश-राज की स्थिरता और 1857 जैसे विद्रोह को रोकने का कुटिल उपक्रम था। परंतु एक पीढ़ी के भीतर– विशेषकर वर्ष 1920 के बाद गांधीजी के नेतृत्व में, वही दल जन-आधारित राष्ट्रवाद की सबसे बड़ी धुरी बन गया। क्या केवल इस कारण कांग्रेस को खारिज किया जा सकता है कि उसकी स्थापना एक अंग्रेज ने ब्रितानी हितों की रक्षा हेतु की थी? यदि नहीं, तो फिर 'वंदे मातरम' का विरोध उसके मूल साहित्यिक संदर्भ के नाम पर कैसे जायज ठहराया जा सकता है?

वर्ष 1896 में कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने इस गीत को पहली बार गाया। 1905 के वाराणसी अधिवेशन में कांग्रेस ने इसे राष्ट्रीय अवसरों पर गाने का औपचारिक निर्णय लिया। वर्ष 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने देश के बाहर जर्मनी में पहली बार भारतीय तिरंगा फहराया, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा था। 1909 में वीर क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा 1909 में 'वंदे मातरम' बोलते हुए फांसी पर चढ़ गए। खिलाफत आंदोलन (1919-24) के बाद कुछ मुस्लिम नेताओं ने मजहबी आधार पर इसके खिलाफ आपत्ति उठानी शुरू कर दी। यह वही दौर था, जब ब्रिटिश संरक्षण में देश में अलगाववादी शक्तियां (द्रविड़ आंदोलन सहित) तेजी से बढ़ रही थीं।

तब मुस्लिम नेतृत्व का कांग्रेस-विरोध केवल वंदे मातरम् तक सीमित नहीं था। उन्होंने लगभग हर उसका विरोध किया, जो भारत की सभ्यतागत विविधता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रहा। इसमें वे ब्रितानियों और वामपंथियों के साथ खड़े दिखाई दिए। अपने पिछले लेख में मैंने पीरपुर समिति रिपोर्ट का उल्लेख किया था। मार्च 1938 में प्रकाशित इस दस्तावेज का औपचारिक नाम– ÷ए रिपोर्ट ऑफ द इन्क्वारी कमेटी अप्वाइंटेड बाय द काउंसिल ऑफ द ऑल इंडिया मुस्लिम लीग÷ था। यह पीरपुर रिपोर्ट के नाम से इसलिए प्रसिद्ध हुई, क्योंकि इसके रचनाकार मुस्लिम लीग नेता राजा मोहम्मद मेहदी ऑफ पीरपुर थे। इस रिपोर्ट में हिंदू, हिंदू सांप्रदायिकता और कांग्रेस– तीनों का अर्थ एक ही था। इसमें हिंदी भाषा के प्रयोग, वंदे मातरम् और गौसंरक्षण जैसे मुद्दों को उठाया गया।

तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व ने मुस्लिम लीग के अधिकांश आरोपों को निराधार बताया। परंतु उसने विरोध करने के बजाय जिहादी शक्तियों के सामने घुटने टेक दिए और अक्टूबर 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति ने वंदे मातरम् का संक्षिप्त संस्करण अपनाकर देवी दुर्गा से जुड़े अंश हटा दिए। यह निर्णय देश पर भारी पड़ा। तब पीरपुर रिपोर्ट को आधार बताकर नैरेटिव गढ़ा गया कि स्वतंत्र भारत में मुसलमानों को न्याय नहीं मिलेगा, इसलिए पाकिस्तान जरूरी है। इसी आत्मसमर्पण वाली मानसिकता से ग्रस्त होकर दस वर्ष बाद जून 1947 में कांग्रेस ने विभाजन भी स्वीकार कर लिया। पीरपुर रिपोर्ट में जो आरोप तब कांग्रेस पर लगाए गए थे, वह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस पर मढ़े जाते हैं।

क्या विभाजन के बाद खंडित भारत में बसे मुस्लिम समुदाय का दिल बदल गया? बार-बार नैरेटिव गढ़ जाता है कि वर्तमान भारतीय मुसलमानों ने 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को ठुकराकर पाकिस्तान के बजाय खंडित भारत को चुना। यदि यह सच है, तो फिर भारतीय सभ्यता का प्रतीक वंदे मातरम् आज भी उसी समुदाय के कुछ हिस्सों को क्यों खटकता है? यह कटु सत्य है कि पाकिस्तान की मांग तब बिहार, उत्तरप्रदेश और बंगाल के मुस्लिम अभिजात वर्ग ने की थी, उनमें से अधिकांश पाकिस्तान नहीं गए। उन्होंने यहीं रहकर जिहादी नकाब उतारकर खादी पहन ली और उसी कांग्रेस में शामिल हो गए, जिसे वे कभी 'गैर-इस्लामी' कहते थे। पीरपुर रिपोर्ट के लेखक राजा मेहदी के बेटे सैयद अहमद मेहदी भी बाद में कांग्रेस के सांसद और केंद्रीय मंत्री भी बने। ऐसे कई उदाहरण है। कितनी बड़ी विडंबना है कि आजादी से पहले जो मुस्लिम नेता 'दो राष्ट्र सिद्धांत' के झंडाबरदार थे, वे आज सेकुलरवाद के 'पैरोकार' है।

भारतीय उपमहाद्वीप में जो मुस्लिम समूह 'वंदे मातरम' के विरोध के पीछे मजहबी कारणों का हवाला देता है, वह वास्तव में भ्रामक और झूठा है। विश्व के इस क्षेत्र में मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को इस्लामी पहचान का प्रतीक मानता है। परंतु पाकिस्तान न तो इस्लाम का रक्षक है, न ही 'उम्माह' के प्रति वफादार। वैश्विक मुस्लिम एकजुटता के बजाय अमेरिका-इजराइल का प्रत्यक्ष-परोक्ष साथ देते हुए ईरान पर हमले का सहभागी बनना, गाजा पर अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार और अपने देश में मुसलमानों की पहचान मिटाने वाले चीन के साथ रणनीतिक गठजोड़ करना– पाकिस्तान और उससे सहानुभूति रखने वाले वर्ग के दोहरे चरित्र को उजागर करता है।

यह विडंबना है कि जो मुस्लिम समूह 'भारत माता' को नमन करने वाले 'वंदे मातरम' का विरोध करता है, लगभग वह ही मंदिर तोड़ने और असंख्य हिंदुओं-सिखों का संहार करने वाले मुस्लिम आक्रांताओं– बाबर और औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि का महिमामंडन करता है। क्या इस चिंतन की जड़े भारतीय सनातन संस्कृति के प्रति घृणा में नहीं छिपी? इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का यह कथन कि 1937 में कांग्रेस ने विभाजन के बीज बोए– कोई राजनीति से प्रेरित वक्तव्य नहीं, बल्कि ऐतिहासिक तथ्य है।

यह निजी विचार है।

खुद बच्चों को प्रकृति के पर्यावरण में जीना सीखना होगा

संदीप जोशी

लखनऊ में जो हुआ उसको दिल्ली सरकार के धुंआसे व कुहासे से समझते हैं। दो महीने से दिल्ली में वायु गुणवत्ता के लगातार गिरने, और सूचकांक के तेजी से बढ़ने की खबरें आ रही थीं। ऐसे में सरकार के कुछ न कर पाने का खामियाजा दिल्ली के स्कूल और उसमें पढ़ने वाले बच्चों को भुगतना पड़ा। बच्चों पर स्कूल की सीमेंट दीवारों से निकल कर पेड़-पौधों के खुले वातावरण में खेलने पर पाबंदी लग गयी।

लखनऊ के एकाना स्टेडियम पर होने वाला भारत और दक्षिण अफ्रीका का बीसमबीस मैच धुआंसे, जहरीली हवा व अपर्याप्त रौशनी के कारण रद्द हुआ। मैदान पर पहुंचे हजारों क्रिकेट प्रेमी दर्शक और अनेक खिलाड़ी व खेल प्रशासक प्रदूषण का खेल देखते रहे। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली के बाद अब उत्तर भारत के ज्यादातर शहर आ गए हैं। जरूरत की प्रकृति को नजरअंदाज कर स्वार्थ के लालच को महत्व देने से ही यह हालात बने हैं।

कारण सिर्फ शहरों के ही विकास के लिए बनाई जा रही सत्ता की नीतियां रही हैं। पर्यावरण को दूषित न करने की जिम्मेदारी अगर समाज पर होती है तो सत्ता पर प्रदूषण न फैलाने देने का उत्तरदायित्व भी रहता है। क्या हम पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा पाए हैं? और क्या सत्ता अपने उत्तरदायित्व को समझना चाहती है? फैलते एक्यूआई राक्षस को हमें एआई के तंत्र, और विवेक की सुधबुध से संवारना होगा।

समाज की जेन-ज़ी पीढ़ी पर ही जंग लगी पीढ़ी के धतकर्मों को समझ कर संवारने की जिम्मेदारी है। स्वयं के चार-पहियाई सपनों में समाज के पैदल चलने व सार्वजनिक यातायात की सभ्यता को हरी-भरी संस्कृति से सहेजना होगा। लगातार घटते जंगल और कटते पेड़ों को सत्ता के स्वयंसेवी विकास से बचाना होगा। सत्ता-वैभव के दिल्ली व्यवहार का विस्तार ही कानपुर से लखनऊ तक, भोपाल से इंदौर तक, लुधियाना से चंडीगढ़ तक, शिमला से कुल्लू तक और गुड़गांव से पंचकूला तक फैल रहा है।

आज के समय में विकास करने के लिए सत्ता, और विकसित होने के लिए जनता दोनों लालायित हैं। इकोसिस्टम या परिस्थिति के प्राकृतिक तंत्र को सत्ता के स्वार्थ तंत्र में बदला जा रहा हैं। बिना लोगों के व्यवहार को समझे, दिल्ली लखनऊ या इंदौर को सिंगापुर, लंदन व न्यूयॉर्क बनाने में लगे हैं। क्या ऐसे सपने देखना या दिखाना संभव है?

लखनऊ में जो हुआ उसको दिल्ली सरकार के धुंआसे व कुहासे से समझते हैं। दो महीने से दिल्ली में वायु गुणवत्ता के लगातार गिरने, और सूचकांक के तेजी से बढ़ने की खबरें आ रही थीं। ऐसे में सरकार के कुछ न कर पाने का खामियाजा दिल्ली के स्कूल और उसमें पढ़ने वाले बच्चों को भुगतना पड़ा। बच्चों पर स्कूल की सीमेंट दीवारों से निकल कर पेड़-पौधों के खुले वातावरण में खेलने पर पाबंदी लग गयी।

मजेदार ठंड की सुहानी धूप हो, और बच्चों को खुले में खेलने न दिया जाए तो शारीरिक व मानसिक विकास कैसे हो सकता है? और ऐसा पिछले दो-दशक से हर साल ठंड के मौसम में होता आ रहा है। माता-पिता की बेसमझ चिंता और न्यायालय के दबाव से घबराए स्कूल, अपनी समझ व विवेक खो बैठ। चार-पहिया व अन्य गाड़ियां से धुआंसा अपने धंधे में लगे लोग करते हैं जो अपने ही बच्चों के सर्वगुण विकास की अनदेखी करते हैं।

सब मानते हैं आज के बच्चे ही कल का भविष्य होने वाले हैं। माता-पिता अपने द्वारा ही फैलाए प्रदूषण में अपने ही बच्चों को खेलने नहीं देना चाहते। न्यायालय जा कर स्कूलों को नियम-कायदे सिखाते हैं। न्यायालय स्कूलों पर दबाव डालता है। और धंधे में लगे स्कूल घबराकर अपना विवेक खोते हैं। आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स द्वारा कराए जा रहे स्कूल क्रिकेट कप के दौरान एक स्कूल की प्रिंसिपल ने माना की स्वस्थ बच्चों के लिए कमरों के अंदर बैठकर प्रदूषण सहने से बेहतर है पेड़-पौधों की ऑक्सीजन युक्त हवा में खेलना।

किन वे भी शिक्षा निदेशालय के अफसरों से जूझना नहीं चाहती थी। वहीं दूसरे स्कूल की लड़कियों ने मिलकर माता-पिता और शिक्षक पर स्कूल क्रिकेट कप खेलने के लिए जोर दिया। क्या माता-पिता, सरकारी अफसर या न्यायालय ये कभी समझेंगे? अगर नहीं तो गाड़ियों का धुंआसा कौन रोकेगा? या खुद बच्चों को ही समय के साथ प्रकृति के पर्यावरण में जीना सीखना होगा। एआई और एक्यूआई से पहले भी समाज में विवेक रहा है। और सदा रहेगा।

यह निजी विचार है।

सर्व धर्म पूजा के साथ एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ पुलिस चयनित अभ्यर्थियों का भव्य सम्मान

जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिमा पप्पू चंद्राकर ने फूलमालाओं से किया स्वागत

राजनांदगांव।

ग्राम सुंदरा स्थित मिनी स्टेडियम में गुरुकुल स्पोर्ट्स एंड फिजिकल अकादमी के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर छत्तीसगढ़ पुलिस में चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजनांदगांव जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा पप्पू चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर श्रीमती चंद्राकर ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल के युवाओं का छत्तीसगढ़ पुलिस जैसी प्रतिष्ठित सेवा में चयन होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। यह उपलब्धि युवाओं की कड़ी मेहनत, अनुशासन, आत्मसंयम एवं निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है।

अपने संबोधन में जनपद पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि आज का युवा देश और समाज की मजबूत नींव है। खेलकूद और शारीरिक प्रशिक्षण से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित होती है। गुरुकुल स्पोर्ट्स एंड फिजिकल अकादमी द्वारा ग्रामीण युवाओं को सही मार्गदर्शन देकर उन्हें सफलता की दिशा में अग्रसर किया जा रहा है, जो अत्यंत सराहनीय कार्य है। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं समाज के प्रति समर्पण भाव से सेवा करने का आह्वान किया।

ग्राम पंचायत सुंदरा सरपंच हिपेंद्र साहू ने भी सभी का स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया

कार्यक्रम में सरपंच हिपेंद्र साहू, रमेश पप्पू चंद्राकर, यशवंत साहू, परदेसी राम साहू, माधव साहू, दिनेश साहू, कामता साहू सहित अकादमी के प्रशिक्षक, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने चयनित युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जन भागीदारी, पारदर्शिता और प्रौद्योगिकी का संगम जल सेवा आंकलन राष्ट्रव्यापी स्तर पर शुरू

पीआईबी

जल जीवन मिशन के अंतर्गत सेवा वितरण और सामुदायिक स्वामित्व को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने आज जल जीवन मिशन (जेजेएम) पोर्टल पर ग्राम पंचायत के नेतृत्व में संचालित डिजिटल पेयजल सेवा कार्यक्षमता मूल्यांकन उपकरण ' जल सेवा आंकलन' का ई-लॉन्च किया।

यह पहल अवसंरचना निर्माण से सतत सेवा वितरण की ओर एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है, जो हर घर जल (एचजीजे) गांवों में पेयजल आपूर्ति की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थिरता का आंकलन करने के केंद्र में ग्राम पंचायतों और ग्राम संस्थानों को रखती है।

कई ग्राम पंचायतों को हर घर जल का दर्जा प्राप्त होने के साथ, जल जीवन मिशन एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां नल कनेक्शन से प्रतिदिन विश्वसनीय और सुरक्षित पेयजल सेवाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। जल सेवा आंकलन को एक सामुदायिक स्वामित्व वाली स्व-मूल्यांकन प्रणाली के रूप में परिकल्पित किया गया है, जो गांवों को केवल अनियमित और महंगे तृतीय-पक्ष सर्वेक्षणों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी जल सेवा वितरण प्रणालियों पर सामूहिक रूप से विचार करने में सक्षम बनाती है।

इस टूल का औपचारिक ई-लॉन्च केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने किया। इस कार्यक्रम में जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना और श्री राज भूषण चौधरी , पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्यों और संस्थानों के प्रतिनिधि, पंचायत सचिव, सरपंच और ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य उपस्थित थे। विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से हर घर जल ग्राम पंचायतों के लगभग 10,000 प्रतिनिधियों ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल संसाधन सृजन करना ही नहीं है, बल्कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सतत आधार पर विश्वसनीय पेयजल सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने मिशन के चार प्रमुख स्तंभों - राजनीतिक इच्छाशक्ति, जनभागीदारी, हितधारकों का सहयोग और संसाधनों का इष्टतम उपयोग - का उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जनभागीदारी हर घर जल की उपलब्धियों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है।

उन्होंने कहा कि जल सेवा आंकलन ग्राम पंचायतों को अपनी जल आपूर्ति प्रणालियों का संरक्षक बनने का अधिकार देता है और ग्राम सभाओं के माध्यम से लोकतांत्रिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन जनता और गांवों के लिए है, और इसे जारी रखने की जिम्मेदारी स्वयं समुदाय की है; यह केवल जन भागीदारी के माध्यम से ही संभव है।

मंत्री महोदय कहा कि ग्रामीण पेयजल प्रणालियों की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सामुदायिक भागीदारी और पारदर्शिता आवश्यक हैं, और यह नया टूल सेवा वितरण में मौजूद कमियों की जल्द पहचान करने और समय पर सुधारात्मक कार्रवाई करने में मदद करेगा।

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और हर घर जल की उपलब्धियों को बनाए रखने और गांवों में बदलाव को गति देने में जन भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जल सेवा आंकलन स्थानीय संस्थानों में सरकार के विश्वास को दर्शाता है और पेयजल सेवाओं के ग्राम-स्तरीय प्रशासन को और मजबूत करेगा।

ग्राम पंचायतों के साथ संवाद

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और घोनाशी ग्राम पंचायत (कराड ब्लॉक, सतारा जिला, महाराष्ट्र), गोगाथला ग्राम पंचायत (रेलमगरा ब्लॉक, राजसमंद जिला, राजस्थान) और बिल्हापुर ग्राम पंचायत (अमरोधा ब्लॉक, कानपुर देहात जिला, उत्तर प्रदेश) के पंचायत प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत थी। ग्राम प्रतिनिधियों ने ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणालियों के प्रबंधन, जल आपूर्ति की नियमितता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने, नियमित परीक्षण, उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह और हर घर जल की उपलब्धियों को बनाए रखने के अपने अनुभव साझा किए।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव श्री अशोक के.के. मीना ने स्पष्ट किया कि जल सेवा आंकलन न तो कोई निरीक्षण है और न ही कोई बाहरी ऑडिट , बल्कि यह एक संरचित, समुदाय-नेतृत्व वाली स्व-समीक्षा प्रक्रिया है जो गांवों को यह आंकलन करने में सक्षम बनाती है कि उनकी पाइपलाइन द्वारा जल आपूर्ति प्रणाली कितनी प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल में समुदायों, ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों को नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और प्रणाली रखरखाव जैसे सेवा वितरण मापदंडों के मूल्यांकन के केंद्र में रखा गया है, और निष्कर्षों पर ग्राम सभा द्वारा विचार-विमर्श किया जाता है और उन्हें ग्राम सभा द्वारा स्वीकार किया जाता है।

रविशंकर जी की प्रतिमा स्थल की सादर ससम्मान धुलाई और सफाई का कार्य किया गया

रायपुर - अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल की पुण्यतिथि दिनांक 31 दिसम्बर 2025 के पुष्पांजलि कार्यक्रम के पूर्व रायपुर जिलाधीश कार्यालय परिसर के सामने रायपुर नगर पालिक निगम के उद्यान परिसर में स्थित उनके प्रतिमा स्थल की सादर ससम्मान धुलाई और सफाई नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी और नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव के निर्देश पर नगर निगम जोन 4 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री वीरेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में जोन 4 के कर्मचारियों की टीम द्वारा की गयी।

संत शिरोमणि गुरु घासीदास जयंती समारोह एवं जैतखाम लोकार्पण भव्य रूप से संपन्न

जिला पंचायत सभापति जागृति चुन्नी यदु रहीं मुख्य अतिथि**

राजनांदगांव। परमपूज्य संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा की 270वीं जयंती के पावन अवसर पर ग्राम बरगांव (विकासखंड डोंगरगांव) में सतनामी समाज द्वारा भव्य जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज द्वारा नवनिर्मित जय स्तम्भ (जैतखाम) का विधिवत लोकार्पण कर बाबा जी के सत्य, अहिंसा, समानता और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

समारोह की मुख्य अतिथि राजनांदगांव जिला पंचायत सभापति श्रीमती जागृति चुन्नी यदु रहीं। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संत गुरु घासीदास बाबा का ÷सत्य ही ईश्वर है, ईश्वर ही सत्य है÷ का संदेश आज भी समाज को सही दिशा देने वाला है। उन्होंने कहा कि बाबा जी ने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर समानता, भाईचारे और मानव धर्म का मार्ग दिखाया, जिसे आत्मसात करना आज के समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की शुरुआत दिनांक 29 दिसम्बर 2025 को दोपहर 2 बजे पंथी नृत्य के साथ भव्य शोभायात्रा से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन एवं ग्रामीण शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा में निकली शोभायात्रा ने पूरे गांव में उत्साह और भक्ति का वातावरण निर्मित कर दिया। संध्या 5 बजे विधिवत ध्वजारोहण कर प्रसादी वितरण किया गया।

इस अवसर पर संत समाज पंथी नृत्य एवं झांकी मंडली ग्राम बेल्हारी (डोंगरगढ़) द्वारा आकर्षक पंथी नृत्य व झांकी की प्रस्तुति दी गई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया।

ध्वजारोहण कार्यक्रम में जनपद पंचायत डोंगरगांव की अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पडौती, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि टिकेश साहू, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डोंगरगांव लक्ष्मीनारायण गुप्ता, ग्राम पंचायत बरगांव की सरपंच श्रीमती धनेश्वरी हेमलाल उइके, विशेष सहयोगी मनोज साहू, जिला सतनामी सेवा समिति के सदस्य खेलन डहरे, जिला सतनामी सेवा समिति अध्यक्ष युवराज ढिड़हरे, जनपद सदस्य श्री विवेक मंडावी, पूर्व जिला पंचायत सभापति संतोष वैष्णव, सेवा सहकारी समिति डोंगरगांव के अध्यक्ष श्री रामकुमार गुप्ता, ग्राम पटेल संतानु दास साहू सहित समस्त पंचगण एवं ग्राम प्रमुख विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महापौर चौबे, सभापति , संस्कृति विभाग अध्यक्ष, एमआईसी सदस्यों, पार्षदों ने समस्त नगरवासियों को नववर्ष 2026 की दी अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें

रायपुर - राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे, नगर निगम सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्यों, वार्ड पार्षदों ने समस्त नगरवासियों को नववर्ष 2026 की अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए परमपिता परमेश्वर के दिव्य श्रीचरणों में समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शान्ति प्रदान करने राजधानी रायपुर शहर क्षेत्र सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में समृद्धि और खुशहाली लाने कार्य करने सकारात्मक प्रेरणा ऊर्जाशक्ति प्रदान करने की विनम्र सामूहिक प्रार्थना की है।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्यों, पार्षदों ने सभी नगरवासियों से स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर शहर को प्रथम रैंकिंग दिलवाने अधिकाधिक संख्या में स्वच्छता फीडबैक देकर सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की पुनः विनम्र अपील की है।

Truhome FINANCE

मांग सूचना

टूहोम फाइनेंस लिमिटेड

(पूर्व नाम श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड)

पंजीकृत कार्यालय: श्रीनिवास टॉवर, पहली मंजिल, दरवाजा नंबर 5, पुराना नंबर 11, दूसरी लेन, सेनाटोफा रोड, अलवरपेट, तेनाम्पेट, चेन्नई-600018
मुख्य कार्यालय: लेवल 3, वॉकहार्ट टॉवर्स, ईस्ट विंग सी-2 ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा ड कासी), मुंबई-400051 **वेबसाइट:** www.truhomefinance.in

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित उधारकर्ता/उधारकर्ताओं ने टूहोम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) से प्राप्त ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज की अदायगी में चूक की है और उक्त ऋण खातों को गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें प्रतिभूतिकरण और वित्तीय आस्तियों के पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (SARFAESI ACT) की धारा 13(2) के अंतर्गत उनके अंतिम ज्ञात पते पर मांग नोटिस जारी किया गया था। उक्त मांग नोटिस के अतिरिक्त, उन्हें इस सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से सूचित किया गया है।
उधारकर्ताओं, प्रतिभूतियों, बकाया राशि, धारा 13(2) के अंतर्गत भेजे गए मांग नोटिस और उसके अंतर्गत दावा की गई राशि का विवरण निम्नानुसार है।-

उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/ नाम और पता	सुरक्षित परिसंपत्तियों का संपत्ति पता	डिमांड नोटिस दिनांक एवं देय राशि रु. में.
1. स्वर्गीय श्री रामसिरोमणि सिंह सिसौदिया पुत्र - श्री सीताराम सिसौदिया (मृतक उधारकर्ता) कानूनी उत्तराधिकारियों के माध्यम से, श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी स्वर्गीय श्री रामसिरोमणि सिंह सिसौदिया और अन्य सभी कानूनी उत्तराधिकारी पता - ज्योति निवास, रावतपुरा कॉलोनी फेस 2, साईं मंदिर के पीछे, मठपुरेना, पीओ सुंदर नगर, जिला. रायपुर, छ.ग. - 492013 2. श्री रामगोविन्दम सिंह सिसौदिया पुत्र - श्री सीताराम सिसौदिया (सह-उधारकर्ता) पता - डॉ. जाफर वाली गली, तुलसी कॉलोनी, मुरैना, म.प्र.-476001 3. श्री पंकज सिंह पुत्र श्री मुन्ना वर्मा (गारंटर) पता - मकान नंबर 104, ब्लॉक नंबर 05, कंचना रोड, सीजीएचबी कॉलोनी, खम्हारडीह, शंकर नगर, एनआर रेलवे क्रॉसिंग, रायपुर, छ.ग.-492007 ऋण राशि - रु. 19,03,960/- ऋण खाता क्र. - SHLHRAIP0000134 एनपीए दिनांक - 03.11.2025	रिहायशी मकान जिसका डायवर्टेड खसरा नंबर 296/102 है, गांव मठपुरैना (रावतपुरा फेज - II), चंद्रशेखर आज़ाद वार्ड, वार्ड नंबर 52, पी. एच. नंबर 105/61, आर. आई. सी. रायपुर – 1, तहसील और जिला रायपुर, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल 672 वर्ग फुट। सीमाएं - उत्तर - विक्रेता का मकान, दक्षिण - अनीता यादव का मकान, पूर्व - सड़क, पश्चिम - साहू का मकान	डिमांड नोटिस दिनांक - 24-12-2025 रु 16,95,661/- (सोलह लाख पचानवे हज़ार छह सौ इकसठ रुपये मात्र) दिनांक 10/11/2025 तक, साथ में आगे का ब्याज, आकस्मिक खर्च, लागत आदि।

इसलिए आप उधारकर्ताओं से अनुरोध है कि आप इस नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर ऊपर उल्लिखित बकाया राशि का भुगतान करें, साथ ही भुगतान की प्राप्ति की तिथि तक ब्याज और दंडात्मक ब्याज भी दें, जो देय हो सकता है, ऐसा न करने पर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को उपरोक्त प्रतिभूतियों को लागू करने के लिए SARFAESI अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के लिए बाध्य किया जाएगा। कृपया ध्यान दें कि उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के अनुसार, आपको हमारी सहमति के बिना बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से उपरोक्त संदर्भित प्रतिभूतियों को स्थानांतरित करने से रोका जाता है।

स्थान: रायपुर
दिनांक: 31-12-2025

एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी- टूहोम फाइनेंस लिमिटेड
(पहले श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

पाईप लाईन लीकेज सुधरवाकर पेयजल का अपव्यय रूकवाया

रायपुर - लोकशक्ति

रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 और जल कार्य विभाग को पाईप लाईन लीकेज के चलते पेयजल अपव्यय होने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत से तत्काल अवगत करवाकर नगर निगम जोन 4 क्षेत्र अंतर्गत पुलिस लाईन गेट के सामने महात्मा गाँधी परिसर में नगर निगम जोन 4 जल विभाग की टीम को भिजवाकर पाईप लाईन लीकेज की समस्या का सम्बंधित स्थल पर जाकर तत्काल आवश्यक सुधार करवाते हुए त्वरित निदान किया गया है और इससे पेयजल का अपव्यय त्वरित रूप से रोका जा सका। उक्त जनशिकायत से सम्बंधित जानकारी मिलते ही सम्बंधित क्षेत्र के वार्ड पार्षद और रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी ने नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव एवं जोन के सम्बंधित अधिकारियों सहित नगर निगम के कार्यपालन अभियंता जल श्री नर सिंह फ रेन्द्र को इस जनशिकायत से तत्काल अवगत करवाया और नगर निगम जोन 4 जल विभाग की टीम सम्बंधित स्पाट पर तत्काल भिजवाकर पाईप लाईन लीकेज को सुधरवाकर पेयजल का अपव्यय रूकवाया। नगर निगम रायपुर द्वारा पाईप लाईन लीकेज से सम्बंधित प्राप्त जन शिकायत का त्वरित निदान किया गया।

फ्री नम्बर 18008917656 पर कॉल कर अपना ई -वेस्ट देवें

लोकशक्ति। रायपुर - रायपुर शहर से निकलने वाले इलेक्ट्रानिक वेस्ट को व्यवस्थित करने हेतु पब्लिक एरिया में स्मार्ट डस्टबिन रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। परन्तु वर्तमान में उक्त स्मार्ट बिन मरम्मत कार्य नही होने के कारण कार्यरत नहीं है। नगर पालिक निगम, रायपुर क्षेत्र से निकलने वाले ई-वेस्ट को परिवहन कर प्रसंस्करण कार्य करने हेतु संस्था स्टॉर ई प्रोसेसर को अनापत्ति जारी किया गया है। तदानुसार संस्था स्टॉर ई प्रोसेसर द्वारा आम जनता से ई-वेस्ट संग्रहण हेतु टोल फ्री नम्बर 18008917656 जारी किया गया है। जिसमें काल कर आम जनता अपना ई- वेस्ट दे सकती है तथा इसके एवज में संस्था द्वारा ई-वेस्ट हेतु रेट लिस्ट अनुसार राशि का भुगतान भी किया जा रहा है। वर्तमान में संस्था स्टॉर ई प्रोसेसर द्वारा रायपुर नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र से प्रतिदिन औसतन लगभग 1 टन ई-वेस्ट का परिवहन कर प्रसंस्करण कार्य किया जा रहा है।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice

Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

(3rdCall)

NIT NO:-50/RMC/ZONE 08/2025 **RAIPUR DATED -30/12/2025**

Online bids are invited for the following works up to 13/01/2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1.	182628	शहीद भगत सिंह वार्ड क्रं. - 21 अंतर्गत टाटीबंध भाटापारा में आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण। (जिला खनिज संस्थान न्यास निधि)	11.69

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarhe-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** from **30/12/2025 17.30 Hours (IST)** on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal NIT Details and other documents.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at **Toll Free No. 18004199140** or **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSONER
ZONE 08
MUNCIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण, कोचियों और बिचौलियों पर करें कड़ी कार्यवाही

अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण पर लगातार कार्यवाही करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

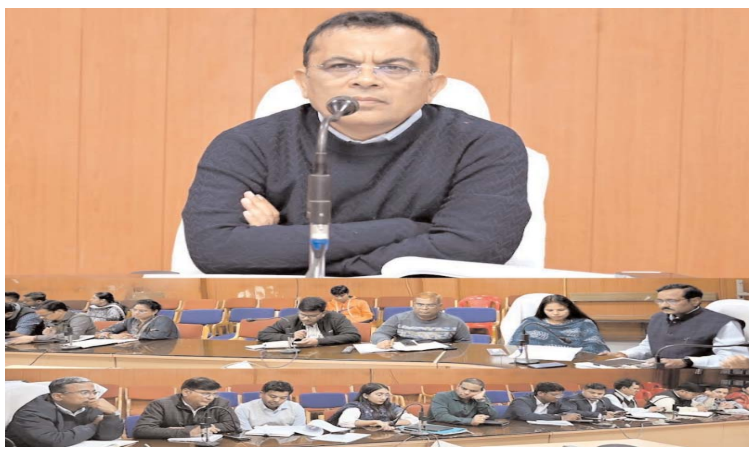

जांजगीर चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री आर के तबोली, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर, श्रीमती स्निग्धा तिवारी, सर्व एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग अटल मॉनिटरिंग पोर्टल में शासन की विभिन्न योजनाओं की प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निर्धारित मापदण्डों पर एंट्री करना सुनिश्चित करें। उन्होंने पोर्टल अंतर्गत विभिन्न मापदण्डों की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में उचित निराकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने राजस्व विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित समय-सीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। कलेक्टर ने सीमांकन, बंदोबस्त, त्रुटि सुधार, भू-अभिलेख, भू-अर्जन प्रकरण, वन अधिकार पट्टा नामांतरण, बंटवारा, नक्शा बंटाकन, खाता विभाजन आदि सभी राजस्व प्रकरणों के निराकरण प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता को राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु किसी भी स्थिति में परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने जिला टास्क फोर्स को रेत के अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन पर लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री महोबे ने समितिवार रकबा समर्पण की समीक्षा करते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए। वर्तमान में जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी कार्य जारी है। उन्होंने नोडल अधिकारियों को धान खरीदी केंद्र में स्टॉक वेरिफिकेशन, बारदाना की स्थिति, आर्द्रता मापी यंत्र, तौल एवं अन्य सुविधाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्रों का निरीक्षण पश्चात रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी प्रकार की आवश्यकताओं पर त्वरित कार्य किया जा सके। इस दौरान उन्होंने उपार्जन केंद्रों में धान की स्टैकिंग एवं शत-प्रतिशत गेट पास एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोचियों और बिचौलियों पर कार्यवाही करने कहा। साथ ही धान के अवैध परिवहन एवं भंडारण, किसानों को निर्धारित समय अवधि में हो रहे राशि भुगतान सहित धान खरीदी से संबंधित बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्राम कटौद में अवैध धान भंडारण पर की गई कार्रवाई

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में राजस्व विभाग एवं सहकारिता विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम कटौद में अवैध धान भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान जांच टीम ने पहारु ट्रेडर्स के परिसर से 50 कट्टी तथा कश्यप ट्रेडर्स से 60 कट्टी, कुल 110 कट्टी धान का अवैध भंडारण पाए जाने पर मौके पर ही जब्ती की कार्रवाई की गई है। कलेक्टर श्री महोबे ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के अवैध भंडारण, कोचिया-बिचौलिया गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को सतत निगरानी, आकस्मिक निरीक्षण तथा कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

धारदार हथियार से हमला करने वाला आरोपी चढ़ा चांपा पुलिस के हत्थे

जांजगीर चांपा / धारदार हथियार से हमला के आरोपी चांपा पुलिस के हत्थे चढ़ा है । मामले का संक्षिप्त विवरण* इस प्रकार है कि प्रार्थी मंगलुराम यादव निवासी बहेराडीह अपने दिनांक 29 दिसंबर 25 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह शाम करीबन 4:30 बजे घर से तेली तालाब की ओर दिशा मैदान करने गया था । वापस आते समय पड़ोस के ओमप्रकाश यादव से मिला जो अपने गाय को ढूंढने घर से निकला था वहां आरोपी ओम प्रकाश यादव के द्वारा प्रार्थी को शराब पीने के लिए बोला । प्रार्थी के द्वारा मना करने पर आरोपी ने धमकाते हुए शराब पीने को बोला नहीं तो शराब पीने के लिए पैसा देने बोला । इस बात को लेकर आरोपी गाली गलौज करने लगा और अपने पास रखें चाकू से प्रार्थी की हत्या करने की नीयत से गले पर प्राण घातक हमला किया । गला कटने से अत्यधिक खून निकलने लगा और घटनाकरित करने के बाद आरोपी ओम प्रकाश यादव मौके से भाग गया । उक्त रिपोर्ट पर थाना चांपा में तत्काल हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना जिले के पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कश्यप, एसडीओपी चापा श्री यदुमणी सिदार को दी गई जिस पर अधिकारियों द्वारा तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश प्राप्त हुए । इसके क्रम में थाना चापा से एक टीम मौके की ओर रवाना किया गया पुलिस टीम के द्वारा आरोपी को पकड़ा गया आरोपी से पूछताछ करने पर प्रारंभिक तौर पर गुमराह करते रहे परंतु बारीकी से पूछताछ करने पर आरोपी ने प्रार्थी मंगलू राम यादव के साथ चाकू से प्राण घातक हमला करना स्वीकार किया । आरोपी ओम प्रकाश यादव के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू जप्त किया गया तथा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

प्रेम संबंध के शक में युवक की हत्या, हिस्ट्रीशीटर समेत दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, विधानसभा थाना क्षेत्र के ग्राम छपोरा में प्रेम संबंध को लेकर एक युवक की बेरहमी से हत्या करने के मामले में पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक के सिर पर लोहे की रॉड और लकड़ी के बत्ते से हमला कर उसकी जान ले ली और पहचान छिपाने के लिए शव को आंशिक रूप से जला दिया। पुलिस के अनुसार 23 दिसंबर 2025 को सूचना मिली थी कि ग्राम छपोरा के गोठान के पास खेत में एक अज्ञात युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को शव जला हुआ मिला और सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने सिर में गंभीर चोट को मौत का कारण बताया। इस पर विधानसभा थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। लगातार पूछताछ, मुखबिर तंत्र और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मृतक की पहचान ललित कुमार धीवर (22 वर्ष), निवासी ग्राम कुर्रा (बंगोली), थाना खरोरा, जिला रायपुर के रूप में हुई।

कलेक्टर महोबे की अध्यक्षता में जिले में जनगणना 2027 की तैयारी के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जनगणना 2027 की तैयारी के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने प्रशिक्षण में अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रशिक्षण को अत्यंत गंभीरता से लें और जनगणना के दौरान संभावित समस्याओं के संबंध में प्रशिक्षकों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करें, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचा जा सके। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना निदेशालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के नोडल अधिकारी ने जानकारी दी कि जनगणना 2027 के लिए जनगणना निदेशालय द्वारा तहसीलवार सॉफ्ट फाइल उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें प्रत्येक राजस्व ग्राम एवं नगर को पूर्व में सत्यापित मानचित्र के अनुरूप दर्शाया गया है। इन सॉफ्ट फाइलों की तहसील कार्यालय स्तर पर सूक्ष्म जांच की जाएगी। यदि किसी प्रकार की विसंगति पाई जाती है, तो गूगल अर्थ प्रो के माध्यम से ग्रामों की सीमाओं को सुसंगत कर संशोधित शेप फ ाइल जनगणना निदेशालय को प्रेषित की जाएगी।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को गूगल अर्थ प्रो के उपयोग से संबंधित तकनीकी जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी गई। इस अवसर पर जनगणना निदेशालय के अधिकारियों द्वारा उपस्थित जनगणना चार्ज अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। प्रशिक्षण में संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर, सर्व एसडीएम, तहसीलदार सहित जिले के सभी जनगणना चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

नैला जांजगीर को मिला सर्वश्रेष्ठ प्रथम युवा शाखा पुरस्कार: अध्यक्ष ममता अग्रवाल

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन..........

जांजगीर चांपा

छत्तीसगढ़ प्रदेश का अष्टम प्रांतीय अधिवेशन राजधानी रायपुर में संपन्न हुआ द्य इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ प्रदेश की सभी शाखाओ का आगमन हुआ द्यनैला जांजगीर के उत्कर्ष कार्यों को देखते हुए उसे सर्वश्रेष्ठ प्रथम युवा शाखा पुरस्कार से सम्मानित किया गया द्यशाखा अध्यक्ष ममता अग्रवाल ने कहा कि यह कार्य समिति की सभी सदस्यों के सहयोग से ही संभव हुआ है ,सभी सदस्यों की सराहनीय प्रशंसा करते हुए उन्होंने आगे कहा कि अखिल भारतीय महिला मारवाड़ी समिति द्वारा आगे भी अच्छा कार्य करने की कोशिश जारी रहेगी ,हमारी शाखा का उद्देश्य धार्मिक सामाजिक आध्यात्मिक हर क्षेत्र में जितना बन सके सहयोग करना है।

सतनामी युवक युवती परिचय सम्मेलन 4 जनवरी को जांजगीर में

जांजगीर चांपा / शारदा मंगलम जांजगीर में सतनामी युवक युवती परिचय सम्मेलन 4 जनवरी दिन रविवार को संपन्न होगा । इसकी तैयारी को लेकर सतनामी उत्थान जागृति समिति और सतनामी समाज की बैठक व समीक्षा तैयारी चल रहा है। मीडिया प्रभारी डॉ ललित कुर्रे ने बताया कि सतनामी युवक युवती परिचय सम्मेलन 2026 जांजगीर में 4 जनवरी दिन रविवार सुबह 10 बजे से शारदा मंगलम जांजगीर में आयोजित किया गया है जिसमें विवाह योग्य युवक युवती उनके परिजन समाज के बुद्धिजीवी कर्मचारी और जनप्रतिनिधि भाग लेंगे। विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन एक मंच पर लाकर समय और खर्च की बचत करते हुए योग्य और मनचाहा भावी जीवनसाथी तलासने चुनने में मदद सहूलियत होती है। सरनेम लिखने की वजह समाज में विवाह योग्य युवक- युवती तय करने मैं मदद मिलता है। समाज के विवाह योग्य युवक- युवती अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की गई है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष सुखराम मधुकर , मीडिया प्रभारी डॉ ललित कुर्रे , संरक्षक अधिवक्ता महारथी बघेल , उपाध्यक्ष अनिल अजगल्ले , डॉ दिलीप बर्मन , डॉ धनेश्वरी जागृति , कोषाध्यक्ष गेंद राम कुर्रे , सचिव डॉ जगदीश बंजारे , सहसचिव चंद्रकांत रात्रे , सलाहकार विजय मनहर , डॉ चंद्रशेखर खरे , अधिवक्ता लक्ष्मी लहरें , योगेश बनर्जी , धनीराम जांगड़े आदि लगे हुए हैं। उपरोक्त बातों की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ ललित कुर्रे ने दी।

कलिंग यूनिवर्सिटी के छात्र की मौत के मामले में तीन विदेशी छात्र गिरफ्तार

रायपुर, राजधानी रायपुर से लगे नवा रायपुर क्षेत्र में कलिंगा यूनिवर्सिटी के एक विदेशी छात्र की मौत के मामले में मंदिर हसौद ने पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज करते हुए में कलिंगा यूनिवर्सिटी के तीन विदेशी नागरिक छात्रों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि दिनांक 22 दिसंबर 2025 को नवा रायपुर सेक्टर-16 स्थित ईडब्ल्यूएस 30/06 बिल्डिंग से गिरकर कलिंगा यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत विदेशी छात्र सैमपुर जुदे की मौत हो गई थी। घटना के बाद थाना मंदिर हसौद में मर्ग कायम कर पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि 22 दिसंबर की शाम लगभग 7 बजकर 10 मिनट पर मृतक सैमपुर जुदे अपने एक साथी के साथ बिल्डिंग के पास खड़ा होकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान कलिंगा यूनिवर्सिटी के ही तीन अन्य विदेशी छात्र- नोउई कुर माजाक, सबरी पालीनो उर्फ टोनी और मोहम्मद खलफ्ल्ला ओमर हसन वहां पहुंचे। उन्होंने मृतक पर अपने एक साथी छात्रा के साथ बदतमीजी करने का आरोप लगाते हुए उससे वाद-विवाद शुरू कर दिया और मारपीट की कोशिश करने लगे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग नवा रायपुर छ.ग.

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक. 2259/NIT-34/2025–26/व.ले.लि. नवा रायपुर दिनांक 26/12/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :–

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
34 T0104	ELECTRIFICATION WORK IN NEWLY PROPOSED AUDITORIUM IN GOVT RAJIV LOCHAN PG COLLEGE AT RAJIM DIST GARIYABAND प्रथम आमंत्रण	8.55

नोट :–निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 08/01/2026 अपरान्ह 5:30 बजे तक है ।

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है । इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है ।

शर्तें :– 1) उपरोक्त कार्यो के आबंटन प्राप्त होने पर ही नियामानुसार भुगतान की कार्यवाही की जावेगी ।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग नवा रायपुर छ.ग.

G-252605733-1

रायपुर सहित प्रमुख शहरों में रेल संचालन क्षमता दोगुनी करने की ऐतिहासिक योजना

0 छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर भी राष्ट्रीय स्तर की इस महत्वाकांक्षी योजना में शामिल

0 मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा - यह निर्णय छत्तीसगढ़ के यात्रियों के लिए बड़ा तोहफ़ा, कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियाँ होंगी सुदृढ़

रायपुर, भारतीय रेलवे द्वारा अगले पाँच वर्षों में देश के 48 प्रमुख शहरों में रेलगाड़ियों की संचालन क्षमता को दोगुना करने की जो महत्वाकांक्षी योजना तैयार की गई है, उसमें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को भी शामिल किया गया है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के करोड़ों यात्रियों के लिए बड़ा तोहफ़ा है और इससे राज्य की कनेक्टिविटी, व्यापार, उद्योग तथा पर्यटन गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा घोषित इस योजना से छत्तीसगढ़ जैसे उभरते हुए राज्य को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर जंक्शन देश के प्रमुख रेल जंक्शनों में से एक है और यहाँ प्रतिदिन लाखों यात्री आवागमन करते हैं। संचालन क्षमता दोगुनी होने से लोगों को अधिक ट्रेनें, बेहतर आवृत्ति तथा कम भीड़भाड़ का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर के साथ-साथ अन्य औद्योगिक और वाणिज्यिक नगरों के लिए भी यह योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। रेल संरचना के विस्तार से निवेश, रोजगार और लॉजिस्टिक्स की सुगमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिलेगी। रेल मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार वर्ष 2030 तक संचालन क्षमता दोगुनी करने के लिए मौजूदा टर्मिनलों पर अतिरिक्त प्लेटफार्म, पिट लाइन एवं स्टेबलिंग लाइन का निर्माण, शहरी क्षेत्र और आसपास नए टर्मिनलों की स्थापना, सिग्नलिंग, यार्ड आधुनिकीकरण और मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से अनुभागीय क्षमता में वृद्धि और मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स एवं आधुनिक रखरखाव सुविधाओं का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर में इन सुविधाओं के विकसित होने से आम यात्रियों के साथ-साथ छात्रों, मरीजों, उद्योगपतियों और व्यापारियों सभी वर्गों को राहत मिलेगी। राज्य सरकार रेलवे मंत्रालय के साथ समन्वय स्थापित कर इस योजना को तेज गति से धरातल पर उतारने के लिए हर संभव सहयोग देगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ देश के सर्वाधिक बेहतर रेल संपर्क वाले राज्यों में शामिल होगा और यह परिवर्तन विकसित भारत ञ्च2047 के संकल्प को सशक्त करेगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में 41 हजार करोड़ रूपए की लागत से रेलवे सुविधाओं के विस्तार का काम तेजी से चल रहा है, जिसमें रेल्वे ट्रैक का विस्तार, रेलवे लाईन का दोहरीकरण, रेलवे फ्लाई ओवर एवं ब्रिज आदि का निर्माण शामिल है। केंद्र सरकार ने इस साल के बजट में छत्तीसगढ़ राज्य में रेल्वे सुविधा के विकास के लिए 6925 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। इससे राज्य में रेल परियोजनाओं के कामों को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। छत्तीसगढ़ में रेलवे के उन्नयन और विकास के लिए 41,000 करोड़ रुपए के निवेश से नई रेल लाइनों, रेलवे फ्लाईओवर और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में रेलवे का शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन का काम पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव जी को छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व रेल परियोजनाओं की सौगात मिली है। ये परियोजनाएं राज्य के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी और जनता को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच बेहतर समन्वय के कारण छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क विस्तार की ऐतिहासिक पहल हो रही है।

नव-वर्ष 2026 से पहले कोरबा पुलिस अलर्ट, पिकनिक स्थलों पर बढ़ी गश्त, नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

(कोरबा) संवाददाता । लोकशक्ति।

नव वर्ष 2026 के आगमन से पहले जिले में सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोरबा पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। जनसामान्य को सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस ने जिले भर में विशेष सुरक्षा तैयारियां की हैं। सभी प्रमुख पिकनिक स्थलों, पर्यटन केंद्रों और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई है।

पुलिस प्रशासन का स्पष्ट उद्देश्य है कि नागरिक नव वर्ष का उत्सव सुरक्षित, व्यवस्थित और कानून के दायरे में रहकर मना सकें। इसी कड़ी में पुलिस की विशेष टीमें जिले के लोकप्रिय पिकनिक स्थलों और मनोरंजन क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या कानून-विरोधी गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शराब पीकर वाहन चलाने, तेज आवाज में डीजे या संगीत बजाने, सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील आचरण करने और शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही ट्रैफिक नियमों के पालन, ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण और महिला सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। चलती वाहनों की रैंडम चेकिंग भी की जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। कोरबा पुलिस ने नागरिकों, खासकर युवाओं से अपील की है कि वे नव वर्ष का उत्सव जिम्मेदारी और संयम के साथ मनाएं। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाएं और कानून का सम्मान करें। पुलिस ने यह भी कहा है कि किसी भी आपात स्थिति या शिकायत की स्थिति में नागरिक पुलिस नियंत्रण कक्ष या नजदीकी थाना से तुरंत संपर्क करें। पुलिस प्रशासन का कहना है कि जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि नव वर्ष का स्वागत सभी लोग सुरक्षित और खुशहाल माहौल में कर सकें।

फेफना स्टेशन में बरौनी-गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस का ठहराव की सुविधा 16 जनवरी 2026 से

बिलासपुर,

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के फेफना स्टेशन में गाड़ी संख्या 15231/15232 बरौनी-गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। विवरण इस प्रकार है- ?? दिनाँक 16 जनवरी 2026 से बरौनी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस फेफना स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी।

यह गाड़ी फेफना स्टेशन 16.33 बजे पहुंचेगी तथा 16.35 बजे रवाना होगी ?? दिनाँक 16 जनवरी 2026 से गोंदिया से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस फेफना स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी फेफना स्टेशन 23.41 बजे पहुंचेगी तथा 23.43 बजे रवाना होगी

वाहन चालकों को आ रहा फर्जी चालान

बिलासपुर संवाददाता

क्लोन वेबपेज के सहारे ई चालान द्वारा लोगों को चपत लगाने को लेकर परिवहन विभाग ने अलर्ट जारी किया है। लोगों को जागरूक करने के लिए विभाग प्रचार-प्रसार में जुट गया है। विभाग अलर्ट अधिकारिक मैसेज और फेक मैसेज के बारे में लोगों को बताकर धोखाधड़ी से बचने की सलाह दे रहा है।

धोखाधड़ी से बचने आरटीओ ने की अपील - जहां एक ओर तीन सवारी, यातायात नियमों का पालन नहीं करने पर परिवहन व यातायात विभाग द्वारा लगातार चालान भेजा जा रहा है, वहीं इस दौरान फर्जी चालान के मैसेज भी लोगों को मिलने लगे हैं। इस मैसेज के साथ फेक वेबसाइट के लिंक पर क्लिक करते ही लोगों के पैसे कट रहे हैं। जानकारी मिलने पर विभाग ने अलर्ट जारी किया है। परिवहन विभाग द्वारा अपील की गई है कि धोखाधड़ी से बचने के लिए डॉट एपीके फाइल या किसी व्यक्तिगत नंबर पर क्लिक न करें। वहीं वास्तविक चालान की जांच के लिए परिवहन विभाग के आधिकारिक वेबसाइट ई चालान डॉट परिवहन डॉट जीओवीडॉट इन पर जाकर सर्च करें। इस दौरान मोबाइल नंबर की ओटीपी डालने पर चालान का विवरण मिलने की बात कही जा रही है। पंजीकृत मोबाइल नंबर से भी टेक्स्ट मैसेज द्वारा भी चालान की जानकारी हासिल की जा सकती है। परिवहन विभाग ने धोखाधड़ी की शिकायत संबंधित थाने में करने की बात कही है।

फर्जी चालान को ऐसे पहचानें

फर्जी चालान ज्यादातर व्यक्तिगत नंबरों से प्रेषित किया जाता है, इसमें विभाग की वेबसाइट का लिंक नहीं होता है। साथ ही फर्जी चालान में चालक के वाहन का क्रमांक, चालान की तारीख चालान का मंचर जैसी जानकारी भी मौजूद नहीं होती है। ठगों के द्वारा व्यक्तिगत नंबरों पर भुगतान करने की बात कही जाती है. जबकि विभाग के द्वारा किसी भी प्रकार का कॉल वाहन चालकों को नहीं किया जाता है।

आधिकारिक वेबसाइट का सहारा लें

हाल में फर्जी चालान की बात सामने आई है। इसके लिए उच्च अधिकारियों से मार्गदर्शन मांगा गया है। फर्जी चालान की पहचान आसान है। लोगों को चालान का भुगतान करने से पहले विभाग की अधिकारिक वेबसाइट का सहारा लेना चाहिए, जिससे धोखाधड़ी से बचा जा सकता है।

अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर वाले 19 वाहनों पर हुई कार्रवाई

कोरबा संवाददाता। । नव वर्ष 2026 से पहले जिले में शांतिपूर्ण माहौल और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस ने अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर के खिलाफसख्त अभियान चलाया है। दिसंबर माह में चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई की गई। कोरबा पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों, चैक-चैराहों और प्रमुख मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान उन दोपहिया और अन्य वाहनों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया, जिनमें अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर लगाए गए थे। ऐसे साइलेंसर न केवल अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण फैलाते हैं, बल्कि आम नागरिकों की शांति भंग करने के साथ सड़क सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं। पुलिस कार्रवाई के दौरान दिसंबर महीने में कुल 19 वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। साथ ही नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के अवैध साइलेंसर भी जब्त किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। कोरबा पुलिस ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अवैध मॉडिफिकेशन न कराएं और यातायात नियमों का पूर्ण रूप से पालन करें। साथ ही आम नागरिकों से भी अनुरोध किया गया है कि यदि उनके आसपास कोई वाहन तेज आवाज वाले या अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर के साथ दौड़ता दिखाई दे, तो इसकी सूचना नजदीकी थाना या ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर पर दें। पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि सार्वजनिक शांति भंग करने और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्ती बरती जाएगी, ताकि जिले में सुरक्षित और शांत यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

खास खबर

भव्य 'कौशल्या यात्रा' ने शहर की सड़कों पर भक्ति का ऐसा सैलाब उमड़ाया

कोरबा। संस्कारधानी कोरबा में रविवार को पूरी तरह से राम के रंग में रंग गई। तीन अरब, 33 करोड़, 33 लाख राम लेखन महायज्ञ की पावन श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित भव्य 'कौशल्या यात्रा' ने शहर की सड़कों पर भक्ति का ऐसा सैलाब उमड़ाया कि हर कोना 'जय श्री राम' के उद्घोष से गूंज उठा। घंटाघर चैक से शुरू होकर आरपी नगर स्थित दशहरा मैदान तक निकली इस ऐतिहासिक यात्रा का शहरवासियों ने पलक-पावड़े बिछाकर स्वागत किया।

सुभाष चैक पर फूलों की वर्षा, कैबिनेट मंत्री ने किया अभिनंदन

यात्रा का सबसे भव्य नजारा सुभाष चैक पर देखने को मिला, जहाँ भारतीय जनता पार्टी द्वारा विशेष स्वागत मंच सजाया गया था। प्रदेश के उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन सहित अन्य दिग्गज नेताओं ने यात्रा पर पुष्प वर्षा कर मातृशक्ति का वंदन किया। इस दौरान वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक और ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया।

माधवी लता का कोरबा की माटी पर भव्य वंदन

हिंदू सम्मेलन 2025 के इस विशेष आयोजन में हैदराबाद से पहुंचीं फायरब्रांड भाजपा नेता कोम्पेला माधवी लता आकर्षण का केंद्र रहीं। कोरबा आगमन पर उनका पारंपरिक और भव्य स्वागत किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान से हवन-पूजन और शंखध्वनि के बीच सनातन मूल्यों को सशक्त करने का संकल्प लिया गया।

दिग्गजों की मौजूदगी ने बढ़ाया गौरव

इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, जिला कोषाध्यक्ष अजय पांडे सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। साथ ही आयोजन समिति के अध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल, योगेश जैन, नवीन अरोरा और दीप नारायण सोनी की देखरेख में हजारों श्रद्धालुओं ने इस यात्रा को सफल बनाया।

एसएस प्लाजा में आगजनी की घटना दुखद

कोरबा, लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत सोमवार को सुबह नगर के एसएस प्लाजा व्यावसायिक कॉम्पलेक्स स्थित बालाजी स्टील व पद्मिनी ज्वेलर्स में भीषण आगजनी की घटना घटित होने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने दुकान संचालकों और व्यावसायिक परिसर के कारोबारियों से चर्चा की। उन्होंने आसपास में विद्युत संसाधनों में कुछ खामियां देखी और इसकी तरफ इशारा किया। सांसद ने सीएसईबी के अधिकरियों को निर्देशित किया कि इस दिशा में गंभीरता से ध्यान दिया जाए ताकि ऐसी अनहोनी से भविष्य में बचा जा सके। उन्होंने घटनास्थल पर अग्निशमन गाडियों के पहुंचने में विलंब और उनकी तकनीकी समस्या पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि दूर-दराज के यार्ड के बजाय कुछ ऐसी व्यवस्था कराई जाए कि ऐसे वाहन शहर के मध्य खड़े हों। ताकि दुर्घटना होने की स्थिति में मौके तक पहुंचने में आसानी हो।

कुदुदण्ड में बनी सड़क चार दिन में उखड़ी पीडब्ल्यूडी की खुली पोल

बिलासपुर संवाददाता

नगर में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क मरम्मत कार्यों को हकीकत अब सवालों के घेरे में आ गई है। नगर के कुदुदंड इलाके की सड़क मरम्मत का काम महज चार दिन में ही उखड़ने लगा है. जिससे विभाग की कार्यशैली और गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार कुदुदंड रोड पर लगभग चार दिन पहले सड़क मरम्मत का कार्य कराया गया था। लेकिन यह मरम्मत इतनी घटिया और लापरवाही भरी रही कि सड़क आज चार दिन बाद ही जगह-जगह से उखड़ने लगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह पूरा काम केवल खानापूर्ति के लिए किया गया। विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे और ठेकेदार के कर्मचारियों ने मनमाने तरीके से काम कर दिया। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि अगर ऐसी ही घटिया मरम्मत करानी थी तो सड़क को हाथ ही नहीं लगाना चाहिए था।

उनका आरोप है कि पीडब्ल्यूडी विभाग सड़क सुधार के नाम पर सिर्फ सरकारी पैसों की बर्बादी कर रहा है। इससे आम जनता को कोई फायदा नहीं मिल रहा, उल्टा परेशानी और बढ़ गई है। सड़क उखाड़ने से राहगीरों और वाहन चालकों को आए दिन दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि यह साफ तौर पर यह भ्रष्टाचार का मामला है।

पावर हाउस रोड स्थित एसएस प्लाजा में लगी भीषण आग

कोरबा संवाददाता।

कोरबा शहर के व्यस्त पावर हाउस रोड पर स्थित एसएस प्लाजा में आज सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग सबसे पहले पद्मिनी ज्वेलर्स में लगी, जो देखते ही देखते प्लाजा की अन्य दुकानों तक फैल गई। आग की भयावह लपटें और घना धुआं उठता देख पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया गया। आग इतनी भीषण थी कि आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को सुरक्षित स्थानों पर हटाया गया। एहतियातन पुलिस बल भी मौके पर तैनात कर दिया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। आग की चपेट में आने से ज्वेलरी शोरूम समेत अन्य दुकानों में भारी नुकसान की आशंका है। प्लाजा में रखे कीमती सामान और दस्तावेजों के नुकसान का भी अंदेशा जताया जा रहा है।

फायर ब्रिगेड के जवान लगातार पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोकने में जुटे हुए हैं। समाचार लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था। प्रशासन द्वारा घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

कांग्रेस कार्यालय कोरबा में कांग्रेस पार्टी के 140 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 141वां स्थापना दिवस मनाया गया

कोरबा । जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने हमेशा भारत के लोगों की भलाई और प्रगति के लिए काम किया है। हम भारत के सविंधान में निहित राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकारों में सुनिश्चित अवसर की समानता में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि कांग्रेस ने हर स्थिति में सत्य, अहिंसा और संघर्ष के मार्ग को चुना और हमेशा जनता के हित में काम किया। सुरक्षित स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से सुदृढ़ भारत के लिए नेहरू जी ने सिंचाई परियोजनाओं, बड़े दृ बड़े कल कारखानों की नींव रखी मुलभूत आवश्यक कार्य बिजली, पानी, सड़क, स्कूल- कॉलेज, चिकित्सालय आदि के साथ-साथ आई आई एम, आई आई टी जैसे संस्थानों, बेहतरीन चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान, संस्थान की स्थापना की।

नेहरू जी के बाद शास्त्री जी ने देश की सुरक्षा को लक्ष्य रखा। जय जवान, जय किसान का नारा देकर किसानों का हौसला बढ़ाया जिससे किसानों ने अनाज की उपलब्धता बढ़ाई, इंदिरा जी ने हरित क्रांति, बीस सूत्री कार्यक्रम, अंतरिक्ष कार्यक्रम, परमाणु कार्यक्रम, बैंको का राष्ट्रीयकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये, वहीं राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने के लिए सूचना प्रोद्योगिकी और कम्प्युटर क्रांति लाया, मतदान की उम्र 18 वर्ष किया। पंचायत, नगर निगम का गठन कर गांव, शहरों में ही फैसला लेने का अधिकार दिया। नरसिम्हा राव ने आर्थिक उदारीकरण को अपनाकर वैश्विक व्यापारिक जगत में भारत को मजबूत बनाया । मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सूचना के अधिकार, भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी, भू अधिग्रहण कानून लाकर भारत के लोगों के जीवन स्तर को सुधारने का काम हुआ । जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर ने कहा कि कांग्रेस ने सच्चाई और अहिंसा को अपना मार्ग निर्देशक सिद्धांत तय किया जिसका देश भर के लोगों ने समर्थन किया और उन्हें आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया आज भी देशवासियों के बीच राष्ट्रीय एवं एकता की भावना कायम है । पूर्व जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने कहा कि 140 वर्ष पहले आज ही के दिन 28 दिसम्बर 1885 को मुंबई में कांग्रेस पार्टी की नींव रखी गई थी । कांग्रेस पार्टी की स्थापना से देशवासियों में आशा का संचार हुआ । कांग्रेस ने अंग्रेजी गुलाम के विरोध में आंदोलन शुरू किया जो आजादी की लड़ाई में बदल गया और भारत आजाद हुआ । नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहु ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को बने हुए आज 140 वर्ष पूरे हो गए हैं। वहीं आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी का 78 वर्षों का सफर आधुनिक भारत की कहानी कहता है इन वर्षों में भारत के हर सफल सोपान पर कांग्रेस की इबारत लिखी मिलेगी । जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नत्थुलाल यादव ने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी, पदाधिकारियों को चाहिए कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा में प्रतिबद्ध ऐसे लोगों को आगे लाना चाहिए जो विपरीत समय में भी कांग्रेस के साथ खड़े हैं । पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश को आजाद कराने के लिए अंग्रेजों को मजबूर कर दिया और आजादी के बाद कांग्रेस ने कण दृ कण जोड़कर जोड़कर भारत का नवनिर्माण किया। महिला कांग्रेस नेता श्रीमती रेखा त्रिपाठी ने कहा कि देश को आजादी के बाद आधुनिक, लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष भारत की मजबूत नींव रखने में कांग्रेस ने हरसंभव प्रयास किया ।

शहर में ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों पर हुई कार्यवाही

संवाददाता। बिलासपुर जिले में बिना नंबर पोट और मोडिफाइड सायलेंसर लगे वाहनों के विरुद्ध पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है।

24 बुलेट मोटरसाइकिलें जब्त

तेज पटाखे जैसी आवाज से ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले बुलेट चालकों के खिलाफ नगर भर में कठोर कदम उठाते हुए कुल 24 बुलेट मेटरसाइकिलों पर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

ह्यूमन राईट एक्टिविस्ट सुरेश सिंह बैस द्वारा कलेक्टर को कार्रवाई हेतु ज्ञापन

पिछले दिनों ह्यूमन राईट एक्टिविस्ट सुरेश सिंह बैस ने कलेक्टर को आवेदन देकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग भी की थी जिसके परिपेक्ष्य में वरिष्ठ स्तर पर मिले निर्देशों के तहत जिले के थानों में पुलिस टीमों ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान का मुख्य उद्देश्य बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने और मॉडिफाइड सायलेंसर लगाकर शोर मचाने वाले चालकों पर कार्रवाई करना था। जांच के दौरान पाया गया कि कई युवक मॉडिफाइड सायलेंसर वाले बुलेट चलाकर पटाखे जैसी आवाज उत्पन्न कर रहे थे, जिससे आम नागरिकों, बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को विशेष रूप से परेशानी हो रही थी। ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की गई। सिविल लाइन क्षेत्र 10 बुलेट मोटरसाइकिलें, सरकंडा क्षेत्र 07 बुलेट मोटरसाइकिलें, तारबहार क्षेत्र-02 बुलेट मोटरसाइकिलें, सकरी क्षेत्र-01 बुलेट मोटरसाइकिल, तोरणा क्षेत्र-02 खुलेट मेटरसाइकिलें, कोतवाली क्षेत्र 02 बुलेट मोटरसाइकिले, कुल मिलाकर पूरे जिले में 24 बुलेट मोटरसाइकिलों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिलों को जब्त किया और मोडिफाइड सायलेंसर वाले वाहनों के सायलेंसर हटाकर जब्त किए।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आत्मीय स्वागत

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के जशपुर आगमन पर आगडीह हवाई पट्टी में राज्यपाल श्री रमेन डेका, झारखंड के राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सहित अन्य मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

प्रदेश के किसान आधुनिक कृषि यंत्रों से हो रहे हैं समृद्ध

रायपुर । प्रदेश के किसान खेती-किसानी में आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं। वहीं विकसित भारत विजन की परिकल्पना की ओर अग्रसर हो रहे हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा किसानों को अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिसका बड़ी संख्या में किसान लाभ ले रहे हैं। किसान सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर खेती किसानी के उन्नत एवं आधुनिक तौर तरीके अपना रहे हैं, जिससे किसानों को पारंपरागत किसानी से अधिक फ़ायदा हो रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन द्वारा कृषि के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं जिनसे किसान लगातार लाभान्वित हो रहे हैं, चाहे वो उन्नत बीज हो या अन्य विभागीय योजनाएं। इसी क्रम में बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा किसानों के हित में शासकीय अनुदान पर आधुनिक एवं उन्नत किस्म में विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों को किसानों को उपलब्ध कराया जाता है द्य खेती किसानी के विभिन्न चरणों जुताई, बुआई, रोपाई, फ़सल कटाई जैसे सभी चरणों के लिए अनुदान पर कृषि यंत्र किसान के द्वारा चयन आधार पर उपलब्ध कराया जाता है, इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। बीज निगम द्वारा किसानों को शक्ति चलित कृषि यंत्र जैसे ड्ड रोटावेटर, स्व चलित रीपर, पैडी ट्रांसप्लांटर, लेज़र लैंड लेवलर, पावर वीडर, मल्चर, थ्रेशर, सीड ड्रिल, सहित अन्य आधुनिक कृषि यंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

छाती के दुर्लभ कैंसर का सफ्ल ऑपरेशन, अम्बेडकर अस्पताल रायपुर में बची मरीज की जान

रायपुर। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के कैंसर सर्जरी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कैंसर सर्जरी विभाग की टीम ने छाती के एक दुर्लभ एवं जटिल कैंसर; मेडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर का सफ्ल ऑपरेशन कर एक बार फ़्रि एक 29 वर्षीय पुरुष मरीज की जान बचाई। मरीज छाती में गांठ, सांस लेने में तकलीफ और लगातार दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल पहुंचा था।

कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता ने केस की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि- पूर्व में मरीज का उपचार एम्स रायपुर के कैंसर विभाग में चल रहा था, जहां बायोप्सी जांच में मेडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर की पुष्टि हुई। प्रारंभिक जांच में छाती के बीच स्थित गांठ का आकार लगभग 13×18×16 सेंटीमीटर पाया गया, जो हृदय के समीप बड़ी रक्त नलियों से चिपकी हुई थी। उच्च जोखिम को देखते हुए एम्स रायपुर के चिकित्सकों ने पहले कीमोथेरेपी देने का निर्णय लिया।

जनवरी 2025 से जून 2025 तक मरीज को छह चक्र (cycle) कीमोथेरेपी दी गई, जिससे गांठ का आकार घटकर 4×3×4 सेंटीमीटर रह गया। इसके बाद मरीज को एम्स रायपुर से रेफ्र कर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता के पास भेजा गया।

डॉ. गुप्ता ने सभी जांच रिपोर्टों का गहन परीक्षण करने के बाद सर्जरी का निर्णय लिया। गांठ की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए हृदय सर्जरी विभागाध्यक्ष से परामर्श लिया गया तथा निश्चेतना विभाग से सर्जरी की फ़्टिनेस प्राप्त की गई। लगभग 3 से 4 घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी में गांठ को बाएं फेफड़े के एक हिस्से सहित अत्यंत निपुणता से निकाला गया।

सर्जरी पूरी तरह सफ्ल रही और मरीज को कुछ दिनों के उपचार के बाद स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उपचार के बाद मरीज समय- समय पर फ़ॉलोअप के लिए चिकित्सालय आ रहा है। इस जटिल ऑपरेशन में डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. के. के. साहू, डॉ. किशन सोनी, डॉ. गुंजन अग्रवाल, डॉ. सुश्रुत अग्रवाल, डॉ. समृद्ध, डॉ. लावण्या, डॉ. सोनम एवं डॉ. अनिल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मेडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर छाती के मध्य भाग में जर्म कोशिकाओं से उत्पन्न होने वाला दुर्लभ कैंसर है, जो सामान्यतः 20 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों में पाया जाता है। इसके प्रमुख लक्षणों में खांसी, सांस लेने में तकलीफऔर छाती में दर्द शामिल हैं। इस कैंसर का उपचार कीमोथेरेपी एवं सर्जरी के माध्यम से किया जाता है, जिसमें सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट मिलकर कार्य करते हैं। यदि इस कैंसर का समय रहते पता चल जाए और उचित उपचार किया जाए तो पांच वर्षीय सर्वाइवल रेट 90 प्रतिशत से अधिक होता है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आठ मेडिकल कॉलेजों के लिए केंद्र के समक्ष रखी पृथक अस्पताल स्थापित करने की माँग

तेज़ सुधारों की राह पर छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य क्षेत्र, 'मिशन मोड' में TB मुक्त भारत करने निर्देश

रायपुर। स्वास्थ्य सेवाओं में तेज़ और प्रभावी सुधार की दिशा में केंद्र सरकार ने निर्णायक कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने बैठक में राज्यों को स्वास्थ्य क्षेत्र में मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि ÷टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाएगा तथा जनभागीदारी आधारित मॉडल से स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ किया जाएगा।÷

बैठक के दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, सचिव स्वास्थ्य श्री अमित कटारिया, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्री रणबीर शर्मा व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इस दौरान श्री नड्डा ने दवा विनियमन को कड़ा करने, निदान सुविधाओं का विस्तार करने, टेलीमेडिसिन व रोगी-केंद्रित देखभाल को बढ़ावा देने तथा जनभागीदारी को व्यापक रूप से सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में स्वास्थ्य परामर्श अभियान की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से औषधि प्रबंधन, निदान सेवाओं और जनस्वास्थ्य पहलों को नई दिशा मिलेगी और इनका प्रभाव सीधे नागरिकों तक पहुँचेगा।

केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि राज्यों के सभी रक्तकोष निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें तथा उनकी नियमित निगरानी व निरीक्षण को कठोर बनाया जाए। निःशुल्क औषधि एवं निदान योजना के अंतर्गत अधिकतम जनसंख्या को लाभान्वित करने, खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम को प्राथमिकता देने और खाद्य एवं औषधि परीक्षण क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों को ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम को तेज़ी से आगे बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए अधिक से अधिक निक्षय मित्र बनाने और उनके माध्यम से क्षय रोगियों के लिए पोषण एवं खाद्य सहायता उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। श्री नड्डा ने कहा कि जोखिमग्रस्त आबादी में एक्स-रे आधारित जाँच को तीव्र गति से पूर्ण कर समयबद्ध निदान सुनिश्चित किया जाएगा, वहीं सभी जिलों में डे-केयर कीमोथेरेपी सेवाएँ संचालित कर कैंसर उपचार को सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि मातृ मृत्यु दर (MMR), शिशु मृत्यु दर (IMR) एवं नवजात मृत्यु दर (NMR) में कमी लाने हेतु निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए, जबकि गैर-संचारी रोगों की 100 प्रतिशत स्क्रीनिंग लक्ष्य आधारित तरीके से पूरी की जाए। इसी क्रम में कुष्ठ नियंत्रण के लिए प्रत्येक तिमाही सक्रिय रोगी खोज अभियान, MMR और IMR पर उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि TB कार्यक्रम को मज़बूत करने के लिए 146 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनें राज्यों को उपलब्ध कराई जाएँगी। बैठक में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा आठ मेडिकल कॉलेजों के लिए पृथक अस्पताल स्थापित करने की माँग भी केंद्र के समक्ष रखी गई । श्री नड्डा ने छत्तीसगढ़ की प्रगति की सराहना करते हुए मानव संसाधन में अतिरिक्त सहयोग हेतु केंद्र के सहयोग का आश्वासन दिया।बैठक के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि सिंगल नोडल एजेंसी (SNA) प्रणाली ट्रस्ट मॉडल पर संचालित होती रहेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों से खाद्य एवं औषधि नमूनों की जाँच बढ़ाई जाएगी और खाद्य सुरक्षा क्षमता विस्तार हेतु राज्य आवश्यक स्थान उपलब्ध कराएँगे, जिसके लिए केंद्र वित्तीय मदद प्रदान करेगा।विस्तृत चर्चा के पश्चात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ÷केंद्र और राज्य की साझेदारी ही स्वास्थ्य सुधारों की आधारशिला है। हमारा लक्ष्य केवल सेवाओं का विस्तार नहीं, बल्कि परिणामों पर केंद्रित बदलाव है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचे।

तमनार में जनआक्रोश दीपक बैज जांच कमेटी के साथ रवाना

रायपुर । प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज आज रायगढ़ के तमनार रवाना हो गए। बैज के अनुसार वे पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे तथा आगे की योजना तैयार करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि एक उद्योग पति के दवाब में यहां पर कोयल खनन के लिए जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने भारी विरोध किया था, लेकिन उत्तेजित ग्रामीणों ने यहां जमकर विरोध किया, जिसके चलते पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच जमकर विवाद हुआ। जिसमें महिला पुलिस अधिकारी सहित अन्य लोग घायल हुए। बैज ने बताया कि तमनार की घटना के लिए एक जांच कमेटी बनाया गया है, इसके अध्यक्ष पूर्व विधायक धरेन्द्र साहू है। ये सभी दीपक बैज के साथ जांच कमेटी के सदस्य तमनार जा रहे है। रात को दीपक बैज अम्बिकापुर में रूकेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार राज्य में इस विभिन्न जिलों में कोयला और लोक खनन के लिए जनसुनवाई आयोजित की जाती है, जिसका भारी विरोध हो रहा है। अम्बिकापुर में गारे पनवा तथा खैरागढ़-छुईखदान जिले में श्रीसीमेंट प्लांट के लिए चूना पत्थर के खदान का जनसुनवाई की गई थी, जिसका विरोध होने पर इसे स्थगित कर दिया गया।

मिर्ज़ा ग़ालिब की 228 वीं जयंती के साथ हुआ 'लोकमित्र समूह' का पहला कार्यक्रम सम्पन्न

रायपुर। प्रदेश के साहित्यकारों और साहित्यिक -सांस्कृतिक अभिरुचि के मित्रों ने मिलकर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 'लोकमित्र समूह' का गठन किया है । नवगठित समूह ने अपना पहला कार्यक्रम 'ग़ालिब हमारे ' शीर्षक से 27 दिसम्बर 2025 की शाम उर्दू के महान शायर मिर्ज़ा ग़ालिब की 228 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया। महान शायर पर केंद्रित सांस्कृतिक -संध्या में मिर्ज़ा ग़ालिब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा के साथ उनकी लोकप्रिय ग़ज़लों की संगीतमय प्रस्तुति दी गई । इस मौके पर विमतारा सांस्कृतिक भवन में छत्तीसगढ़ के शायरों और कवियों की काव्य -गोष्ठी का भी आयोजन हुआ।

सबसे पहले मिर्ज़ा ग़ालिब और 23 दिसम्बर 2025 को दिवंगत हुए छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि और लेखक रायपुर निवासी विनोद कुमार शुक्ल को विनम्र श्रद्धांजलि दी गई । कवि पीयूष कुमार ने विनोद कुमार शुक्ल की कविता 'समुद्र की सतह से निकलकर आया' का पाठ किया।

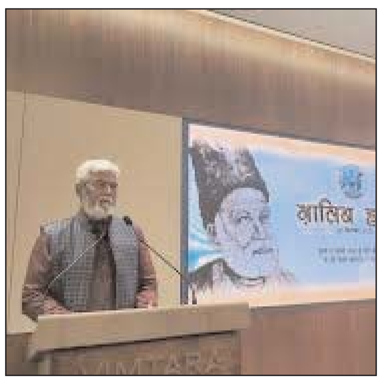

कार्यक्रम के संगीत-सत्र में रायपुर के युवा कलाकार वसु गंधर्व और निवेदिता शंकर ने ग़ालिब की चुनी हुई ग़ज़लों का गायन किया।तबले पर अशोक कूर्म ने संगत की।

विचार-सत्र में रायपुर के जाने -माने शायर अब्दुल जावेद नदीम ने अपना आलेख पढ़ा, जिसमें उन्होंने ग़ालिब की ग़ज़लों के ऐसे तत्वों की पड़ताल की जिनके जरिए वे विगत दो शताब्दियों से उर्दू शायरी के आकाश में एक सितारे की तरह अपनी चमक बनाए हुए हैं । राजनांदगांव से आए सुप्रसिद्ध शायर अब्दुल सलाम कौसर ने ग़ालिब की ग़ज़लों में अंतर्निहित नैतिकता पर प्रकाश डाला । रायपुर के वरिष्ठ साहित्यकार आनंद बहादुर ने मिर्ज़ा ग़ालिब के कई शेरों का उल्लेख करते हुए उनकी शायरी में मौजूद सूक्ष्म भावनाओं को उजागर किया। आयोजन के अंतिम सत्र में काव्य -गोष्ठी हुई । इसमें छत्तीसगढ़ के लगभग दो दर्जन शायरों और कवियों ने अपनी -अपनी कविताएँ पढ़ीं । काव्य -पाठ करने वालों में जया जादवानी, डॉ.संजय अलंग, जीवेश प्रभाकर, नीलू मेघ, सुखनवर हुसैन, आलोक वर्मा,अब्दुल जावेद नदीम, पीयूष कुमार, स्वराज्य करुण,अब्दुल सलाम कौसर, , मीसम हैदरी, इर्तिका हैदरी, सफ्दरजंग अली, आर.डी. अहिरवार, इमरान अब्बास, गिरधर वर्मा, यूशा और मिनेश साहू आदि शामिल थे ।सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन पीयूष कुमार ने और आभार प्रदर्शन आनंद बहादुर ने किया ।साहित्य प्रेमियों ने इस आयोजन की सराहना की । लोकमित्र समूह के वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि समूह द्वारा साहित्यिक -सांस्कृतिक आयोजन आगे भी किए जाते रहेंगे ।अगला कार्यक्रम एक माह बाद 25 जनवरी 2026 को होगा, जिसमें वसु गंधर्व के कविता -संग्रह 'वीतराग'का विमोचन किया जाएगा।

राजधानी रायपुर सहित अन्य प्रमुख नगरों में ई बसों के शीघ्र संचालन की तैयारी – साव

नगरीय निकायों में सड़क नाली एवं साफ सफाई की व्यवस्था को किया जा रहा दुरूस्त

नागरिकों के शिकायतों का भी किया जा रहा शीघ्र निराकरण

संवाददाता। रायपुर ।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री नगरीय निकाय प्रभारी अरूण साव ने बताया कि शीघ्र ही राजधानी रायपुर में ई-प्रधानमंत्री बस सेवा का संचालन करने के सभी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी नगरीय निकायों में विकास एवं निर्माण कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। वहीं आम जनता के शिकायतों का भी निराकरण किया जा रहा है।

आज यहां आयोजित पत्रकारवार्ता में उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने वर्ष 2024-25 में नगरीय निकायों में किए गए जनहित कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। शहर में सड़क निर्माण सहित नाली, सीसी रोड तथा साफ सफाई की व्यवस्था में सुधार लाने का दावा किया। उन्होंने बताया कि रायपुर शहर को स्मार्ट सिटी का दर्जा दिया गया है। जिसके चलते यहां पर साफ सफाई की चुस्त दूरूस्त व्यवस्था रखी गई है। प्रदेश में 13 नगर निगम सहित नगर पंचायत एवं नगरपालिका हैं जिसकी संख्या 150 है। राजधानी रायपुर, कोरबा, भिलाई तथा बिलासपुर ई प्रधानमंत्री बस के संचालन के लिए चार्जिंग स्टेशन एवं डीपो का निर्माण तेज गति से जारी है। इसके निर्माण होने के पश्चात ई बस सेवा का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इससे आम लोगों को फायदा होगा, उन्होंने बताया कि आज जमाना ऑन लाईन का है। अभी तक कुल जितनी शिकायतें मिली है उनमें से अधिकांश का निराकरण कर दिया गया है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से नगरगनिगम को चुस्त दुरूस्त बनाया जा रहा है। पैसे की सरकार के पास कोई कमी नहीं है। इस अवसर पर नगरीय निकाय के सचिव संचालक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अभनपुर के सोनपैरी में हिन्दू संगम आज : मुख्य वक्ता होंगे डॉ मोहन भागवत

संघ शताब्दी वर्ष पर हिंदू संगम में दिखेगी सामाजिक समरसता की झलक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूजनीय सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत का होगा उद्बोधन

रायपुर। लोकशक्ति ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के विषयों के साथ समाज में जागरण एवं लोगों की सक्रिय सहभागिता के साथ कार्यों को गति दे रहा है. इसी क्रम में 31 दिसंबर 2025 बुधवार को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम रायपुर के अभनपुर के सोनपैरी स्थित असंग देव कबीर आश्रम में आयोजित होगा. हिन्दू सम्मेलन में शामिल होने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूजनीय सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत जी 30 दिसंबर को तीन दिवसीय प्रवास पर रायपुर पहुंच चुके हैं. वह 1 जनवरी 2026 तक छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे. अपने प्रवास के दौरान वह हिन्दू सम्मेलन को संबोधित करने के साथ सद्भाव बैठक, युवा कार्यकर्ता सम्मेलन में समाज के प्रबुद्ध जन, युवाओं से संवाद भी करेंगे. बुधवार को आयोजित हिन्दू सम्मेलन में डॉ मोहन भागवत जी मुख्यवक्ता एवं मुख्य अतिथि पूज्य गुरुदेव राष्ट्रीय संत श्री असंग देव जी होंगे. कार्यक्रम दोपहर 2:00 बजे से प्रारंभ होकर शाम 5 बजे तक सम्पन्न होगा. संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयादशमी पर्व के मौके पर देशभर में मंडल, बस्ती एवं नगर स्तर पर पथसंचलन का आयोजन किया. इसी प्रकार नवंबर माह में वृहद गृह संपर्क कार्यक्रम संचालित किया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने परिवारों में संपर्क कर पंच परिवर्तन के विषय में लोगों की सहभागिता का आह्वान किया. इसी क्रम में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें संपूर्ण हिन्दू समाज के लोग सहभागी होंगे. यहां उल्लेखनीय है कि विजयादशमी 2025 से आगामी विजयादशमी पर्व 2026 तक संघ शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है. इस दौरान संघ के स्वयंसेवक समाज जीवन से जुड़े विभिन्न कार्य एवं गतिविधियों को और भी प्रभावी रूप से जन-जन तक लेकर जाएंगे।

जिला प्रशासन एवं तमनार क्षेत्र के 14 ग्रामों के प्रतिनिधिमंडल के बीच शांति वार्ता सफल

रायगढ़ । रायगढ़ जिले के तमनार क्षेत्र में जनसुनवाई के विरोध में चल रहे धरना प्रदर्शन के बीच लगातार दो दिनों के प्रयास से जिला प्रशासन और ग्रामीणों के बीच हुई शांति वार्ता में क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण सफ्लता मिली है। जिला प्रशासन एवं तमनार क्षेत्र के प्रभावित 14 ग्रामों के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई शांति वार्ता सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें धौराभाठा में आयोजित जनसुनवाई से संबंधित विषयों एवं उनके निरस्तीकरण की प्रक्रिया पर गहन चर्चा की गई। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया गया कि 8 दिसंबर 2025 को धौराभाठा बाजार मैदान में आयोजित जनसुनवाई से संबंधित प्राप्त सुझावों के बाद निरस्तीकरण की प्रक्रिया नियमानुसार आगे बढ़ाई जा रही है। जिला प्रशासन ने बताया कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी बिंदुओं पर विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन विगत दो दिनों से प्रभावित ग्रामों के प्रतिनिधिमंडल के साथ शांति वार्ता के लिए निरंतर प्रयासरत था। इसी क्रम में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में तमनार जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आज रविवार को देर शाम जिला प्रशासन एवं प्रतिनिधिमंडल के बीच बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने को लेकर सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई। शांति वार्ता के उपरांत जिला प्रशासन एवं प्रतिनिधिमंडल, दोनों पक्षों ने क्षेत्र में शांति बहाल रखने तथा किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न होने देने पर सहमति व्यक्त की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)